भोपाल
रविवार, 29 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष -11
वर्ष : 12, अंक : 356
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 35
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मप्र में भी मनाया गया अर्थ आवर 2026

इस बार की थीम रही 'पृथ्वी के लिए एक घंटा दें'

भोपाल। शनिवार रात 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच मप्र की कई प्रमुख इमारतें अंधेरे में डूबी रहीं। यह अर्थ आवर 2026 का हिस्सा है। यह हमारे पर्यावरण के लिए शुरू की गई एक पहल है। इसके तहत जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण ▶▶ शेष पेज 6 पर

वाराणसी में 31 मार्च को एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

सम्मेलन से निवेश, निर्यात, ओडीओपी शिल्प और पर्यटन को मिलेगी नई गति

अंतर्राज्यीय सहयोग का नया मॉडल गढ़ेगा एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार 31 मार्च को वाराणसी में आयोजित होने वाले एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 के जरिए अंतरराज्यीय सहयोग को एक ठोस, परिणामोन्मुख और वैश्विक दृष्टि से जोड़ने की दिशा में निर्णायक पहल करेगी।

यह सम्मेलन महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद के साथ ही ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद), जीआई टैग, पारंपरिक शिल्प, निर्यात योग्य उत्पादों, निवेश और पर्यटन को एकीकृत करते हुए एक व्यापक आर्थिक ईकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सक्रिय उपस्थिति इस आयोजन को नीति-निर्माण से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन आधारित सहयोग की दिशा में परिवर्तित करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच विकास का एक सशक्त और दीर्घकालिक मॉडल विकसित होगा। शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों का गहन अवलोकन किया जाएगा। यह भ्रमण केवल एक निरीक्षण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक शहरी नियोजन और तीर्थस्थल प्रबंधन के सफल मॉडल को समझने का अवसर प्रदान करेगा। इस अनुभव के आधार पर मप्र में धार्मिक स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और व्यवस्थागत सुधार के ▶▶ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एमओयू से सुदृढ़ होगी व्यापार, निवेश और कौशल विकास की साझेदारी

सम्मेलन में मप्र और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनके माध्यम से व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी को औपचारिक रूप दिया जाएगा। ओडीओपी उत्पादों के आदान-प्रदान से स्थानीय उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने और उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। यह सम्मेलन उद्योग जगत, निवेशकों, शिल्पकारों, कृषि एवं फूड उत्पादकों और नीति-निर्माताओं को एक व्यापक और समावेशी मंच प्रदान करेगा, जहां वे नीतिगत प्रोत्साहनों, अधोसंरचना विकास, लॉजिस्टिक सपोर्ट और निवेश अवसरों पर गहन चर्चा करेंगे। वस्त्र एवं परिधान, हस्तशिल्प, एमएसएमई, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों की सहभागिता इस आयोजन को बहु-आयामी बनाएगी।

शिल्पकारों के लिए गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर जैसी अभिनव पहल को मिलेगा बल

ज्वॉइंट आर्टिजन वर्कशॉप में चंदेरी और महेश्वरी शिल्पकार बनारसी सिल्क कारीगरों के साथ मिलकर साझा ब्रांडिंग, बाजार विस्तार और गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे। टूरिज्म राउंड टेबल में काशी-उज्जैन-चित्रकूट धार्मिक पर्यटन सर्किट को संयुक्त पर्यटन उत्पाद के रूप में विकसित करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। इस पहल में टूर ऑपरेटर्स और आईआरसीटीसी जैसे प्रमुख हितधारकों की सहभागिता से एक संरचित ▶▶ शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एमआई केकेआर
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

विमान हादसा टला इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अधिकारियों ने पूर्ण इमरजेंसी लागू कर दी। विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-579 के एक इंजन में खराबी आने के बाद यह इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किया गया।

खड़ी गाड़ी में लगी आग, जिंदा जला मासूम

महू। सिमरोल थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे स्विफ्ट कार में आग लग गई। इससे कार में बैठा बच्चा जिंदा जल गया और उसकी मौत हो गई। 4 साल का चिराग अपने पिता संजय बढ़िया के साथ घूमने निकला था। संजय मैकेनिक हैं। वह डीजे वाली गाड़ी का काम कर रहे थे।

उद्योगपति विजयपत सिंघानिया का निधन

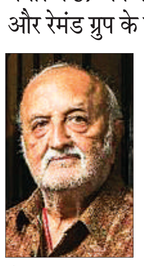

मुंबई। रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। उनके बेटे और रेमंड ग्रुप के सीएमडी गौतम सिंघानिया ने पुष्टि की। पद्म भूषण से सम्मानित सिंघानिया को आज रविवार, दोपहर 1:30 बजे मुंबई की हवेली में श्रद्धांजलि दी जाएगी। दोपहर 3 बजे चंदनवाड़ी श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पश्चिम एशिया में संकट : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रि-समूह की बैठक

तेल-गैस की सप्लाई टूटेगी नहीं, खाड़ी में फंसे हर भारतीय की हरसंभव 'मदद'

कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की गई है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद पश्चिम एशिया में बिगड़े हालात और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित असर के मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की बैठक बुलाई। इसमें तेल व गैस की निगरानी और उसकी उपलब्धता पर बात हुई। साथ ही, तय किया गया कि देश में तेल व गैस की सप्लाई को अबाध रखा जाएगा। इसके अलावा खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीयों की हरसंभव मदद की जाएगी।

बैठक में होर्मुज के रास्ते से आ रहे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही और ईरान सरकार से समन्वय को लेकर भी मंथन हुआ। एलपीजी का लगभग 85-95 प्रतिशत और गैस का 30 प्रतिशत होर्मुज स्ट्रेट से आता है। हालांकि, कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की गई है, लेकिन औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं ▶▶ शेष पेज 6 पर

▶▶ इससे पहले पीएम मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की थी बात

▶▶ सरकारी निर्देशों का प्रचार-प्रसार सभी विभाग करें

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

अगले दो महीनों के लिए तेल व गैस की सप्लाई पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है

रिफाइनरियां अपनी पूरी या उससे भी अधिक क्षमता पर काम कर रही

रूस ने 1 अप्रैल से गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगाई भारत पर असर नहीं

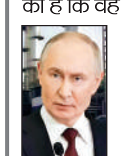

पुतिन

उधर, पुतिन सरकार ने घोषणा की है कि वह 1 अप्रैल से गैसोलीन (पेट्रोल) के निर्यात पर रोक लगा देगी। इसका मकसद घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता देना है। साथ ही ईंधन की कीमतों को स्थिर करना है। रूस का यह फैसला चीन और तुर्की जैसे देशों के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, भारत पर इसका खास असर नहीं होगा। ऐतिहासिक रूप से रूस हर रोज लगभग 1,20,000 से 1,70,000 बैरल गैसोलीन का निर्यात करता रहा है। ▶▶ शेष पेज 6 पर

सरकार का दावा...

घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भरोसा दिया कि मिडिल ईस्ट संघर्ष के कारण आई बाधाओं के बावजूद देश के पास कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि शनिवार की तारीख में हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। अगले दो महीनों के लिए सप्लाई पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। शर्मा ने बताया है कि रिफाइनरियां अपनी पूरी या उससे भी अधिक क्षमता पर ▶▶ शेष पेज 6 पर

फारस की खाड़ी में फंसा 'जग वसंत' जहाज पहुंचा भारत

रसोई गैस (एलपीजी) लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर में डीपीए कांडला के वडीनार बंदरगाह पहुंचा है। कांडला बंदरगाह पहुंचने के बाद एमटी 'जग वसंत' जहाज की तस्वीर पहली बार सामने आई है जिस पर 47,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है।

वडीनार बंदरगाह पर लंगर डालकर खड़े जग वसंत जहाज ▶▶ शेष पेज 6 पर

निरीक्षण के लिए पहुंचे जज

धार भोजशाला में मंदिर या मस्जिद?

हाई कोर्ट के जजों ने खुद किया परिसर का मुआयना

2 अप्रैल को अगली सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के दो जजों ने शनिवार को धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मंदिर, कमाल मौला मस्जिद परिसर का मुआयना किया।

मामले की अगली सुनवाई की तारीख 2 अप्रैल है। मामले की सुनवाई कर रहे जजों ने बीते सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा था कि वे खुद परिसर का मुआयना करेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल और अधिकारियों की तैनाती की गई है। नौगांव स्थित किले के संग्रहालय पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी दोपहर करीब 1:50 बजे परिसर पहुंचे और 2:45 बजे वहां से चले गए। उनके साथ कलेक्टर प्रियांक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी थे। कड़ी सुरक्षा के बीच जजों ने इस दौरान स्ट्रक्चर को बारीकी से देखा जो इस दौरान जजों ने वास्तुकला और इतिहास की जानकारी इकट्ठा की। इसके साथ ही जजों ने स्तंभ और शिलालेख का भी मुआयना किया। 11वीं सदी में बने इस स्मारक को हिंदू वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमल मौला मस्जिद कहता है। यह विवादित परिसर आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ▶▶ शेष पेज 6 पर

भोजशाला

आज से 5 दिन बदला रहेगा मिजाज

ज्यादातर जिलों में तापमान 36 से 39 डिग्री के बीच

भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में रविवार से 5 दिन मौसम का मिजाज बदला रहेगा। शनिवार से तापमान में मामूली गिरावट शुरू हुई है, जो दो दिन बाद और तेजी से होगी। शनिवार को औसत तापमान में डेढ़ डिग्री तक कमी के साथ औसत अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा। भोपाल में दशमलव 8 डिग्री की कमी के साथ पारा 36.2 डिग्री रहा, जो सामान्य ▶▶ शेष पेज 6 पर

भोपाल। डीआईजी बंगला चौराहे का दृश्य

मप्र, छग और राजस्थान के विधायक रहेंगे

भोपाल में होगा 3 राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन 30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित होने जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मप्र के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक शामिल होंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ ▶▶ शेष पेज 6 पर

पीएम मोदी ने नोएडा में देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग

▶▶ शेष पेज 6 पर
▶▶ पढ़ें पेज 09 भी

पेंशन की नई व्यवस्था लागू होगी

प्रदेश में अब राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन

1 अप्रैल से होगा पेंशन केसों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के पेंशनर्स के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत मप्र में राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल, भोपाल का गठन किया गया है। यह सेल 1 अप्रैल से प्रदेश के सभी जिलों में पेंशन प्रकरणों का निराकरण करेगा।

इसके लिए कार्य आवंटन भी कर दिया गया है। संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा मप्र (भोपाल) के संचालक के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया कि सभी शासकीय सेवक वर्तमान पदस्थापना स्थल से ही कार्य संपादित करेंगे। किसी भी समस्या के निराकरण ▶▶ शेष पेज 6 पर

फाइल फोटो

सार्वजनिक अवकाश घोषित करना सरकार का नीतिगत निर्णय

गुरु गोविंद सिंह प्रकाश पर्व पर अवकाश की याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा-धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में सार्वजनिक अवकाश की मांग शामिल नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक अवसर पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की मांग पर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार में किसी धार्मिक अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग करने का अधिकार शामिल नहीं है। सार्वजनिक अवकाश घोषित करना सरकार का नीतिगत निर्णय है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि विकासशील राष्ट्र के तौर पर भारत को उत्पादकता और काम की निरंतरता को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने गुरु गोविंद सिंह की जयंती (प्रकाश पर्व) पर पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश (राजपत्रित अवकाश) घोषित करने की मांग खारिज कर दी। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने कहा कि सिख धर्म के सिद्धांत स्मरण, ईमानदार श्रम और निःस्वार्थ सेवा पर विशेष बल देते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन साहस, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। गुरु गोविंद सिंह जी के प्रति अगाध सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोर्ट ने कहा कि उनका जीवन न्याय और सांसारिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए एक अथक संघर्ष था। इस परिप्रेक्ष्य में, उनकी विरासत का सम्मान करने का सबसे उत्तम तरीका शायद यह है कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन किया जाए, न कि केवल श्रद्धा की मांग करके सम्मान का कोई प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया जाए।

फाइल फोटो

महावीर जयंती पर कब रहेगी छुट्टी? विधायक ने लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में महावीर जयंती के शासकीय अवकाश की तारीख को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। जैन समाज की धार्मिक मान्यताओं और पंचांग का हवाला देते हुए अब सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ओर के विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर अवकाश की तिथि में संशोधन की मांग की है। विधायकों का कहना है कि सरकारी कैलेंडर में दर्ज 31 मार्च के बजाए भगवान महावीर का जन्म कल्याणक 30 मार्च को मनाया जाएगा, इसलिए सार्वजनिक छुट्टी सोमवार, 30 मार्च को ही घोषित की जानी चाहिए। फिलहाल, मुख्य सचिव कार्यालय इस मामले में अलग-अलग सुझावों पर विचार कर रहा है। पृथ्वीपुर से कांग्रेस विधायक नितेंद्र बृजेंद्र सिंह राठौर ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि जनभावनाओं और जैन धर्म की परंपराओं को देखते हुए रातपत्र में आंशिक संशोधन किया ▶▶ शेष पेज 6 पर

ज्वारे विसर्जन में शामिल श्रद्धालु

मां कालका के विराट स्वरूप में भव्य श्रृंगार एवं ज्वारे विसर्जन में शामिल हुए सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु

कलश और ज्वारे रख, सैकड़ों भक्त हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बरखेड़ी स्थित जय मां कालका धाम में नवरात्रि उत्सव के समापन की दशमी तिथि पर मां कालका का विराट स्वरूप में श्रृंगार किया गया, धाम को विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया। सुबह 10 बजे ज्वारे विसर्जन चल समारोह बरखेड़ी से जहांगीराबाद चौराहा होते हुए काली घाट मंदिर पहुंचा। सेवक प्रकाश मालवीय ने बताया कि विसर्जन में महिलाएं ज्वारे एवं कलश लेकर निकली, वहीं पुरुष शस्त्र, भगवा झण्डा और अखंड ज्योति लेकर चले। रात्रि में महिलाओं को सुहाग सामग्री वितरित कर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मां कालका का प्रसाद ग्रहण कर महाआरती की गई।

कामदा एकादशी आज, यह व्रत करने से मिलता है मोक्ष

भोपाल। चैत्र माह में रामनवमी के बाद शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को कामदा एकादशी नाम से जाना जाता है। रविवार को यह व्रत रखा जाएगा। इस एकादशी को फलदा एकादशी भी कहा जाता है। मां चामुंडा दरबार के पं. रामजीवन दुबे वे बताया कि भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित इस व्रत को विधि विधान से करने से चैत्र माह में रामनवमी के बाद शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को कामदा एकादशी नाम से जाना जाता है। इस एकादशी को फलदा एकादशी भी कहा जाता है। भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित इस व्रत को विधि विधान से करने से समस्त पाप दूर हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि एकादशी का व्रत सभी प्रकार की बुराइयों, अवगुणों से बचाता है। जो लोग इस व्रत का पालन करते हैं वे अपने अतीत और वर्तमान में हुए पापों से मुक्ति पा जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति करते हैं।

हर पल करें भगवान विष्णु का स्मरण

कामदा एकादशी पर भगवान श्री हरि विष्णु को फल, फूल, दूध, पंचामृत, तिल आदि समर्पित करें। इस व्रत में हर पल भगवान विष्णु का स्मरण कर व्यतीत करें। इस व्रत में रात्रि में जागरण करें। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराएं और इसके बाद ही व्रत का पारण करें। भगवान श्री हरि की पूजा में पंचामृत एवं तुलसी के पत्ते का उपयोग अवश्य करें। द्वादशी को पूजा के बाद सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मण को भोजन कराएं और उन्हें दान दें।

खबर संक्षेप

डिजिटल कुशवाहा की चार पहिया रैली आज

भोपाल। डिजिटल कुशवाहा संगठन द्वारा सम्राट अशोक की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। इस अवसर पर आज चार पहिया वाहनों की रैली निकाली जाएगी, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुशवाहा समाज के लोग शामिल होंगे। रैली सुबह 10 बजे अशोका गार्डन स्थित 80 फीट रोड से शुरू होगी। यह प्रभात चौराहा, सुभाष नगर ओवर ब्रिज, प्रेस कॉम्प्लेक्स, डीबी चौराहा, बोर्ड ऑफिस चौराहा, लिंक रोड नंबर-1, नानके पेट्रोल पंप तिराहा और प्लेटिनम प्लाजा चौराहा होते हुए टीटी नगर के अटल पथ स्मार्ट सिटी तक पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। कार्यक्रम में कई प्रमुख अतिथि भी शामिल होंगे, जिनमें समाज और प्रशासन से जुड़े लोग मौजूद रहेंगे।

निजामुद्दीन कॉलोनी में हज ट्रेनिंग कैंप आज

भोपाल। 29 मार्च रविवार को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मस्जिद हजरत निजामुद्दीन कालोनी में हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन होगा। शहर काजी सय्यद मुश्ताक अली नदवी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इसमें उलेमा हज यात्रा के दौरान नियमों की जानकारी देंगे। इस शिविर में भोपाल, सीहोर, रायसेन के हाजियों को हज के तरीकों से रूबरू कराया जाएगा। मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी के मास्टर हज ट्रेनर मुफ्ती मोहम्मद फैय्याज आलम भोपाल रवानगी से लेकर वापसी तक हज के पूरे अरकान आसान अंदाज में प्रोजेक्टर व प्रजेंटेशन के जरिए प्रैक्टिकली तौर पर हाजियों को बताएंगे।

हमीदिया के प्राचार्य की सेवाएं अगले आदेश तक उच्च शिक्षा विभाग को सौंपी

भोपाल। उप सचिव मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा शनिवार को आदेश जारी करते हुए राजधानी स्थित शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के प्राचार्य और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव की सेवाएं अगले आदेश तक के लिए उच्च शिक्षा विभाग को सौंपी गई हैं। हमीदिया कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल शिवानी को उच्च शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं, अभय गुप्ता, सहायक कुलसचिव, बरकतउल्लाह विवि को उच्च शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक उप सचिव, प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के पद पर पदस्थ किया गया है।

जेसीबी मशीन के मालिक से चोरी का रोड रोलर बरामद

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने जेसीबी मशीन और रोड रोलर जैसी कीमती मशीनें किराए पर देने वाले संचालक से चोरी का रोड रोलर जब्त किया है। रोड रोलर की कीमत 42 लाख है। दरअसल एक परिचित ड्रायवर ने दो दिन के लिए रोड रोलर उनके पास रखा था। यह जानते हुए कि रोड रोलर चोरी का है, संचालक ने उसे झाड़ियों में छिपाकर खड़ा कर दिया। पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी ड्रायवर की तलाश की जा रही है।

प्लॉट, दुकान, मकान, फ्लैट और डुप्लेक्स की बिक्री बढ़ी

प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी से रिकॉर्ड रजिस्ट्री, टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड

31 मार्च तक वर्तमान रेट में करा सकेंगे रजिस्ट्री, पक्के मकान पर भी बढ़ी कॉस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एक अप्रैल से शहर की 740 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के दामों में एक से 181 फीसद की बढ़ोतरी के बाद पंजीयन दफ्तरों में

प्लॉट, दुकान, मकान, फ्लैट और डुप्लेक्स की बिक्री बढ़ गई है। शहर के आईएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया स्थित पंजीयन दफ्तर में रजिस्ट्री कराने वालों की भीड़ देखी जा रही है। अब तक के रिकार्ड में रजिस्ट्री के आंकड़ों ने पिछले साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। इन रजिस्ट्रियों में सबसे ज्यादा छोटे प्लॉट की बिक्री हो रही है। इसके साथ दुकान, मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स भी खरीदे जा रहे हैं। शनिवार को भी रात नौ बजे तक आठ सौ से अधिक रजिस्ट्री दर्ज की गईं, जिससे विभाग को करीब दस करोड़ रुपए की आमदनी हुई है।

रजिस्ट्री का माहवार आंकड़ा

माह	(24-25)	(25-26)	राजस्व 25-26	
अप्रैल	6093	5207	85.67	69.03
मई	9086	8834	111.46	123.08
जून	8244	8327	123.11	127.30
जुलाई	8829	9358	143.55	141.78
अगस्त	7453	7783	128.01	392.41
सितंबर	6909	8808	114.15	141.08
अक्टूबर	8703	7694	147.51	138.47
नवंबर	5079	8146	115.26	139.46
दिसंबर	7686	9675	118.61	165.33
जनवरी	9778	9402	131.00	164.53
फरवरी	8679	10195	125.78	180.52
मार्च	15439	8922	309.23	214.28
कुल	1,01,978	1,02,351	1653.35	1997.27

नोट- आंकड़े दस्तावेज में हैं, जिसकी राशि करोड़ में पढ़ी जाए।

अवैध कॉलोनियों में बढ़ी खरीद-फरोख्त

राजधानी के आसपास करोंद, बैरागढ़, एयरपोर्ट, भौरी, परवलिया सड़क, लांबाखेड़ा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों में सबसे ज्यादा रजिस्ट्री दर्ज की जा रही हैं। इन क्षेत्रों में री-सेल प्रॉपर्टी की भी खरीद-फरोख्त हो रही है। इसी तरह नीलबड़-रातीबड़, समसगढ़ क्षेत्र में भी अवैध कॉलोनियों की रजिस्ट्रियां हो रही हैं। इस बार शहर की 740 लोकेशन पर रिकार्ड बढ़ोतरी की जा रही है। जिससे इन जगहों पर प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा।

343 करोड़ का राजस्व बढ़ा

राजधानी में पिछले साल के मुकाबले 343 करोड़ से ज्यादा का राजस्व पंजीयन विभाग को मिला है। पिछले साल 1653.35 करोड़ रुपए था, जो इस साल बढ़कर 2033.38 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इधर रजिस्ट्री की तादाद भी पिछले साल 1 लाख एक हजार 978 के मुकाबले 1 लाख 5 हजार 477 को पार कर गई है, जबकि अभी तीन दिन शेष हैं, ऐसे में रविवार, सोमवार और मंगलवार को भी वर्तमान रेट में रजिस्ट्री कराई जा सकेगी।

संपदा सॉफ्टवेयर से होगी एरिया के हिसाब से गणना

कंस्ट्रक्शन कॉस्ट बढ़ाने से मकान, दुकान, फ्लैट, गोदाम पर बढ़ेगा दस फीसदी भार

एक अप्रैल से लागू होने वाली प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन में भोपाल की 740 लोकेशन पर एक से 188 फीसद बढ़ोतरी की वजह से रजिस्ट्री कराना महंगा हो जाएगा। इसके साथ मकान, दुकान, फ्लैट, गोदाम और कमर्शियल परिसरों में भी एक हजार रुपए प्रति वर्गमीटर के हिसाब से कॉस्ट बढ़ा दी गई है। कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को भी 13 हजार से बढ़ाकर 14 हजार कर दिया है। जिससे एक हजार वर्गफीट (सौ मीटर लगभग) की रजिस्ट्री पर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट के नाम पर दस हजार रुपए अधिक चुकाना पड़ेंगे। ऐसे में यह बढ़ोतरी मकान, दुकान, फ्लैट, गोदाम सहित सभी तरह के निर्माण पर लागू की जाएगी।

राजधानी में 23वां विशिष्ट सदस्य सम्मान समारोह

वर्दी के जांबाजों को सलामः 75 पार पुलिस पेंशनर्स का सम्मान

पुलिस पेंशनर्स सम्मान समारोह में उपस्थित डीजीपी मकवाणा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा शनिवार को 23वें विशिष्ट सदस्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहांगीराबाद स्थित पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वर्ष 2003 से निरंतर आयोजित हो रहे इस समारोह में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवानिवृत्त अधिकारियों राजन सिंह, नरेंद्र कुमार त्रिपाठी, राम कुमार वर्मा और शरदचंद्र दुबे को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में डीजीपी मकवाणा ने सेवा काल के महत्वपूर्ण अनुभव साझा करते हुए चड्डी बनियान गैंग के खिलाफ की गई कार्रवाई का जिक्र किया। उन्होंने इसे अपने करियर का लैंडमार्क केस बताते हुए कहा कि इस उपलब्धि के लिए उन्हें 315 बोर राइफल से सम्मानित किया गया था। साथ ही उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

पुलिस विभाग में किए जा रहे कई नवाचार

डीजीपी ने कहा कि वर्तमान में पुलिस विभाग में कई नवाचार किए जा रहे हैं। डायल-112 सेवा के माध्यम से आमजन को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रखने के लिए हार्टफुलनेस संस्था के साथ समझौता कर नियमित मेडिटेशन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा ई-ऑफिस प्रणाली, ईएचआरएमएस पोर्टल, "सेफ क्लिक" साइबर जागरूकता अभियान और "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान जैसे प्रयास भी किए जा रहे हैं।

आयोजन में अधिकारियों ने भी अपने अपने अनुभव साझा किए

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। पूर्व डीजी, एनसीआरबी नरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सेवा निवृत्ति के बाद 33 देशों की यात्रा के अनुभव साझा किए, वहीं शरदचंद्र दुबे ने प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता की महत्ता पर प्रकाश डाला। राम कुमार वर्मा ने अपने कार्यकाल में किए गए तकनीकी कोर्स का उल्लेख करते हुए निरंतर सीखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन की वार्षिक पत्रिका "सात्विक" का विमोचन भी मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। साथ ही प्रत्येक माह "पेंशनर्स डे" आयोजित करने का सुझाव भी दिया, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी समस्याएं रख सकें।

वाटर सप्लाई की टीम ने 128 पानी के सैंपल लिए, 43 लीकेज सुधारे

महापौर एवं निगम आयुक्त के निर्देश पर लिए जा रहे अलग अलग क्षेत्रों में सैंपल

भोपाल। नगर निगम की वाटर सप्लाई की टीम ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 128 पानी के सैंपल लिए और जांच के लिए लैब भेजे। अमले ने 43 पाइप लाइन में लीकेज भी सुधारे।

महापौर मालती राय के निर्देश एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दलों द्वारा शहर की झुग्गी बस्तियों सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से पानी के सैंपल लिए जा रहे हैं, जिन्हें लैब भेजा जा रहा है।

महापौर ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

बांधों के संरक्षण के लिए जनजागरुकता बेहद जरूरी

कार्यक्रम में मौजूद महापौर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बांधों का बहुत महत्व है और इसके संरक्षण के लिए जन सामान्य को जागरुक करना भी जरूरी है। यह बात महापौर मालती राय ने शनिवार को जल संसाधन विभाग द्वारा शुरू किए बांध सुरक्षा कार्यक्रम में कही। इसके पूर्व उन्होंने बांध सुरक्षा सामुदायिक जन जागरूकता कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने का आव्हान भी किया।

चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल द्विवेदी ने किया सम्मानित

भोपाल विमानतल के निदेशक रामजी अवस्थी का सम्मान

रामजी अवस्थी सम्मानित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

द्रोणाचल सेंटर आर्मी एरिया में हाल में हुए सम्मान समारोह में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र कुमार द्विवेदी ने राजा भोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल के डायरेक्टर रामजी अवस्थी को सम्मानित किया। आयोजन में रामजी अवस्थी को जनरल उपेंद्र कुमार द्विवेदी द्वारा प्रतिष्ठित सीओएएस (सेना प्रमुख) प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। यह विशिष्ट सम्मान उनके अनुकरणीय नेतृत्व, अटूट समर्पण और परिचालन समन्वय में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। अवस्थी के नेतृत्व में गत वर्षों से विमानतल पर नागरिक उड्डयन और रक्षा बलों के बीच महत्वपूर्ण तालमेल को स्थापित किया गया है।

लोकतांत्रिक सपा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने चलाएगी अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने आज पार्टी के संस्थापक रघु ठाकुर व राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट शमभूदयाल बघेल की उपस्थिति में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव पारित किया है कि दुनिया में चल रहे भीषण युद्ध और तबाही के समय में पार्टी देश देशवासियों और देश की सरकार के साथ खड़ी है। उर्जा संकट के हल की दिशा में लोसपा ने रेगिस्तानी व बीहड़ क्षेत्र में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने, सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाले परिवारों को शत प्रतिशत अनुदान व एक एक इंडक्शन चूल्हा मुफ्त देने, गोबर गैस संयंत्र के उपयोग को प्रोत्साहित करने, कोयला क्षेत्र की गैस का उपयोग करने व एक परिवार-अधिकतम एक कार की नीति को प्रोत्साहित करने की मांग सरकार से करेगी।

राष्ट्रीय महामंत्री अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि लोसपा आगामी महीनों में तीन राज्यों में पार्टी के राज्य कार्यकर्त्ता शिविर आयोजित करेगी। खुले में विचरण करते गोवंश की समस्या को हल करने की दिशा में लोसपा की नीति रही है कि हर किसान को दो गायें पालने के लिए प्रत्येक किसान को हर महीने छह हजार रुपए या साल का 72 हजार रुपए सरकार दे, जिससे समस्या का समाधान हो सके तथा किसानों को भी मदद मिल सके, इस मुद्दे को लेकर लोसपा कार्यकर्ता गांव गांव में बैठक करेंगे।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर कर रही काम

जनजातीय जिलों के किसानों को होगा आर्थिक लाभ

सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर बनेगी शान, श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देगा मप्र, किसानों के लिए लाभ देने वाली फसल बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र की तीन फसलों सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को शीघ्र ही जीआई टैग मिलने जा रहा है। तीनों फसलों के प्रस्ताव तैयार कर परीक्षण के लिए भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री चैन्नई भेज दिए गए है। कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पारंपरिक कोदो-कुटकी को बचाने और उत्पादन करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। औषधीय गुणवत्ता और पौष्टिकता के कारण अब दुनिया श्रीअन्न की ओर लौट रही है। ग्लोबल मार्केट में श्रीअन्न की मांग बढ़ रही है। श्रीअन्न अब किसानों के लिए आर्थिक लाभ देने वाली फसल बन गया है।

रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों से 1,000 प्रति क्विंटल पर कोदो कुटकी की खरीदी हो रही है। कोदो-कुटकी की खरीद के लिए 22,000 से ज्यादा किसानों का रजिस्ट्रेशन 21,000 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इस योजना में 16 जिलों में पहली बार खरीद की जा रही है। इन जिलों में जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर, बालाघाट, सिवनी, सीधी और सिंगरौली शामिल हैं ।

सिताही कुटकी-छोटी बाजरा की देशी किस्म

सिताही कुटकी एक कम अवधि (60 दिन) वाली 'लिटिल मिलेट' (छोटी बाजरा) की देशी किस्म है। यह वर्षा-आधारित

क्षेत्रों और देर से बुवाई की स्थितियों के लिए उपयुक्त है। यह सूखे की मार, नमी की कमी, और प्रमुख कीटों (शूट फ्लाई), 'ग्रेन स्मट' व 'ब्राउन स्पॉट' जैसी बीमारियों का सामना करने में सक्षम है। इस प्रकार यह किसानों को एक स्थिर पैदावार दिलाने में मददगार साबित होती है। सिताही कुटकी की मध्यम ऊंचाई और मोटे तने के कारण फसल के गिरने की समस्या नहीं रहती।

सिताही कुटकी' का एक ब्रांड नाम के लिए जीआई टैग

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ने 'भौगोलिक संकेतक' (जीआई) टैग के लिए दस्तावेज तैयार किया है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर 'सिताही कुटकी' का एक ब्रांड नाम स्थापित होगा। बाजार के नए अवसर खुलेंगे। इससे बाजरे की खेती करने वाले जनजातीय किसानों को आर्थिक लाभ होगा। नागदमन कुटकी डिंडोरी जिले में उगाई जाने वाली कुटकी की एक विशिष्ट स्थानीय किस्म है। यह अपने औषधीय गुणों और उच्च पोषण मूल्य के लिए जानी जाती है।

10-11 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की स्थिर पैदावार

डिंडोरी में 'सिताही कुटकी' की खेती की 10,395 हेक्टेयर क्षेत्र में बढ़ोतरी और 10-11 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की स्थिर पैदावार से इस क्षेत्र में लोगों की आजीविका, भोजन और पोषण सुरक्षा में मदद मिली है। जनजातीय जिलों के लगभग 60,000 आदिवासी किसान-खासकर डिंडोरी, मंडला, अनूपपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल, उमरिया, बालाघाट और जबलपुर के कुछ हिस्सों के किसान पैदावार बढ़ाकर आर्थिक ले सकते हैं। डिंडोरी के पहाड़ी और मुश्किल इलाकों के 54 गांवों के किसानों को मुनाफ़ा हुआ है। इन इलाकों में दूसरी रबी फ़सलों की खेती नहीं होती।

बैंगनी अरहर दरअसल अरहर की विशेष किस्म

बैंगनी अरहर दरअसल अरहर की विशेष किस्म है। इसमें पौधे या फलियों पर बेंगनी रंग की झलक हेती है। इसमें भरपूर प्रोटीन होता है। रोगों से लड़ने की जबरदस्त क्षमता होती है। अच्छी देखभाल होने पर 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन हो सकता है। जीआई टैग से लाभ : औषधीय गुणों और उच्च पोषण मूल्य के लिए जानी जाती है। जीआई टैग मिलने से इस फसल की शुद्धता और गुणवत्ता की गारंटी मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसकी मांग बढ़ेगी। वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे बिक्री बढेगी। यह साबित होगा कि फसल स्थापित मानकों के अनुरूप है।

जनजातीय क्षेत्रों में उत्पादन

जनजातीय जिलों में किसानों को कोदो-कुटकी की सभी प्रकार की किस्मों को बचाने और उनका उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रात्साहित किया जा रहा है। सीधी, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा जैसे जिलों में किसानों को जोड़ा गया है। सहरिया-बहुल श्योपुर जिले में जनजातीय बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए मिलेट आधारित व्यंजनों का उपयोग किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं और एकीकृत बाल विकास योजना के अमले को मिलेट के व्यंजन बनाने की जानकारी दी गई है। इसके पौष्टकि गुणों से परिचित कराया गया है। जिले में 130 एकड़ में कोदो कुटकी की खेती हो रही है। करीब 200 किसानों को इसमें जोड़ा गया है। इस पहल का परिणाम यह रहा कि 2000 बच्चों का पोषण स्तर बढ़ गया और उनके स्वास्थ्य में सुधार आया। डिण्डोरी के समनापुर ब्लाक की महिला किसानों को कोदो-कुटकी उत्पादन से जोड़ा गया है। प्रत्येक महिला किसान के पास औसत ढाई एकड़ खेती है। इससे 32 गांवों की 1250 महिला किसान जुड़कर खेती कर रही है। पिछले दो सालों में कोदो कुटकी उत्पादन बढ़ा है।

प्रतिदिन रात में आगमन 8:10 बजे एवं प्रस्थान 8:50 बजे होगा

यात्रियों को मुंबई तक सुगम पहुंच मिलेगी

भोपाल से दिल्ली और नवी मुंबई के लिए नई उड़ानों की शुरुआत आज से, सुगम होगा सफल

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

नई दिल्ली और नवी मुंबई के लिए नई उड़ान आज 29 मार्च से शुरू हो जाएगी। रविवार से लागू नए शेड्यूल के तहत दिल्ली के लिए एक अतिरिक्त उड़ान शुरू की गई है। इसके साथ ही नवी मुंबई के लिए एक नई उड़ान भी शुरू की गई है। मुंबई उड़ान का प्रतिदिन रात्रि में आगमन 20:10 बजे एवं प्रस्थान 20:50 बजे होगा, जिससे यात्रियों को मुंबई महानगरीय क्षेत्र तक सुगम पहुंच मिलेगी।

गोवा उड़ान हुई बंद

राजा भोज एयरपोर्ट से जाने वाली गोवा उड़ान को शनिवार से बंद कर दिया गया है। वर्तमान में उसकी डिमांड है और कंपनी को पैसेंजर पर्याप्त संख्या में मिल रहे थे, इसके बावजूद उड़ान को बंद कर दिया गया। इससे पहले भी 2 बार गोवा उड़ान शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। उसे कुछ समय पूर्व ही शुरू किया गया था, लेकिन अब उसे फिर शनिवार से बंद कर दिया गया है।

राजा भोज एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक अराइवल हॉल का लोकार्पण आज, यात्रियों को मिलेगी अनेक सुविधाएं

नया फायर स्टेशन सिस्टम की भी मिलेगी सुविधा

राजा भोज एयरपोर्ट पर रविवार को लोकार्पण कार्यक्रम में सिविल एविएशन मिनिस्टर शामिल होंगे, जो राजकोट एयरपोर्ट से वर्चुअल तरीके से सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि रविवार सुबह 10.15 बजे प्रोग्राम में मेयर मालती राय और विधायक रामेश्वर शर्मा समेत लोग भी शामिल होंगे।

कॉन्टैक्टलेस पैसेंजर प्रोसेसिंग के लिए डिजी यात्रा सुविधा का औपचारिक उद्घाटन

भोपाल एयरपोर्ट पर कई सुविधाओं का उद्घाटन किया जाएगा। जिसमें मॉडर्न पैसेंजर सुविधाओं वाला नया बना डोमेस्टिक अराइवल हॉल, एडवांस्ड एआरएफएफ इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस नया फायर स्टेशन का भी लोकार्पण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आसान और कॉन्टैक्टलेस पैसेंजर प्रोसेसिंग के लिए डिजी यात्रा सुविधा का औपचारिक उद्घाटन होगा।

खबर संक्षेप

तीन दिन सरचार्ज में 100 फीसदी छूट, एक अप्रैल से दोगुना लगेगा सरचार्ज

भोपाल। नगर निगम द्वारा 31 मार्च-2026 तक संपत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार का भुगतान करने पर सरचार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। 1 अप्रैल 2026 से स्वयं के उपयोग वाली संपत्तियों पर दोगुनी राशि देना पड़ेगी। निगम द्वारा करदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत रविवार अवकाश के दिन भी वार्ड एवं जोन कार्यालय खुले रहेंगे। 31 मार्च 2026 तक ऐसे करदाता जो स्वयं के आवासीय उपयोग की संपत्तियों पर करों का भुगतान करते हैं और उनके द्वारा यदि 31 मार्च 2026 तक अपने बकाया करों का भुगतान नहीं किया जाता है तो ऐसे करदाताओं को संपत्तिकर में दी जाने वाली 50 प्रतिशत की छूट समाप्त कर दी जाएगी और 100 प्रतिशत संपत्तिकर का भुगतान करना होगा।

मप्र सरकार ने बैंक ऑफ बड़ौदा को 5 साल के लिए किया ब्लैक लिस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा को 5 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। शासन के निर्देशों के बाद अब राज्य का कोई भी विभाग इस बैंक के साथ नया लेन-देन नहीं कर सकेगा। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के 175 करोड़ रुपए से अधिक के फंड प्रबंधन में लापरवाही और निर्देशों का पालन न करने के कारण की गई है।

918 रुपए का सिलेंडर ढाई हजार रुपए में बेचा, एजेंसी के कर्मचारी को पकड़ा

सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक धूप में खड़े रहे, कई चक्कर खाकर गिरे, स्टाफ बोला- तीन दिन बाद मिलेगा सिलेंडर

- ऋषभ गैस एजेंसी का कर्मचारी पकड़ाया, दस दिनों में डिलीवरी से कालाबाजारी बढ़ी
- 1300 टन से अधिक हो रही सिलेंडर की रोजाना बुकिंग, सप्लाई 450 टन
- पैनिक बुकिंग की वजह से बन रहे हालात, बुकिंग के बाद डायरेक्ट एजेंसी पहुंच रहे उपभोक्ता

सुभाष नगर रोड पर गैस सिलेंडर के लिए परेशान होते उपभोक्ता।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में घरेलु गैस सिलेंडर के लिए लोग परेशान हो रहे हैं। शनिवार को भी सुभाष नगर रोड पर गैस सिलेंडर के लिए लोगों की कतार लगी रही। लेकिन गैस एजेंसी का ट्रक नहीं आया। लोगों ने बताया कि वह सुबह दस बजे से यहां धूप में खड़े हैं। कई लोग चक्कर आने से गिर पड़े। दोपहर दो बजे गैस एजेंसी के स्टाफ ने बताया कि अभी सिलेंडर नहीं है। तीन दिन बाद मिलेगा। इधर, शनिवार को खाद्य विभाग की टीम ने ढाई हजार रुपए में सिलेंडर लेने की बात कहकर बरखेड़ी निवासी शालिग कुरैशी को बुलाया, लेकिन उसने सलमान नामक युवक को स्कूटर पर सिलेंडर लेकर भेज दिया। उसके बाद शालिग को भी पकड़ लिया गया, युवक ने बताया कि वह ऋषभ गैस एजेंसी का कर्मचारी है।

एलपीजी सिलेंडर नहीं मिलने पर लकड़ी के चूल्हे पर तैयार किया भंडारे का प्रसाद

राजधानी भोपाल में गैस की किल्लद लगातार देखने को मिल रही है। इसके तहत रामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित भंडारे को लेकर समिति को गैस सिलेंडर नहीं मिला। जिसके बाद समिति के सदस्यों ने लकड़ी के चूल्हे पर प्रसादी बनाई। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल ने सरकार से मांग की थी कि भंडारे के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। लेकिन एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण कहीं जगह पर लकड़ी के चूल्हे पर प्रसाद तैयार किया गया। इधर, जिले में इंडेन, भारत और हिंदुस्तान गैस डिपो में 2183 टन एलपीजी का स्टॉक है, जबकि 450 टन एलपीजी का स्टॉक रोजाना सप्लाई किया जाता है। ऐसे में चार दिन का स्टॉक डिपो के पास बना हुआ है। अफसरों का दावा है कि एलपीजी का नया स्टॉक भी लगातार आ रहा है।

कर्मचारी के मोबाइल में मिला कालाबाजारी का रिकॉर्ड

सहायक आपूर्ति अधिकारी अशोक सत्यार्थी ने बताया कि जब शालिग को पकड़ा गया तो उसके मोबाइल की जांच की गई। जिसमें पता चला कि उसने कई लोगों को पांच हजार रुपए में दो सिलेंडर भी बेचे हैं। वह दिन भर अलग-अलग लोगों से कमर्शियल सिलेंडर 35 सौ और घरेलू सिलेंडर को ढाई हजार रुपए में देने का सौदा कर चुका है।

आइडियल एचपी एजेंसी का सिलेंडर

टीम ने जब भरे हुए सिलेंडर की जांच की तो पता चला कि यह सिलेंडर आइडियल एचपी गैस एजेंसी का है। हालांकि पकड़े गए युवक का कहना है कि यह सिलेंडर उपभोक्ता से लिया गया है। ऐसे में एजेंसी संचालक की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है।

करोंद के पीपल चौराहे से इंडेन कंपनी के सात सिलेंडर जब्त

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि करोंद स्थित पीपल चौराहे के पास साहूकार सुयश और समित जैन के यहां से सिलेंडर की कालाबाजारी होने की जानकारी के बाद टीम पहुंची। टीम ने यहां से इंडेन कंपनी के सात सिलेंडर जब्त किए हैं, जिसमें पांच खाली और दो भरे हुए थे।

केटरिंग कारोबारी से 56 गैस सिलेंडर जब्त

शनिवार को खाद्य विभाग की टीम ने जवाहर चौक और घोड़ नक्कास क्षेत्र में 56 घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर जब्त किए हैं। टीम ने घोड़ा नक्कास क्षेत्र में लक्ष्मी टॉकीज गली में अल कैटरिंग के संचालक अब्दुल रहमान के निवास से 26 गैस सिलेंडर और कैटरिंग दुकान में 30 गैस सिलेंडर जब्त किए हैं।

आरकेएमपी-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस में बढ़ेंगे चार कोच

16 की जगह 20 कोच के साथ दौड़ेगी

अभी ऑक्यूपेंसी 112 तक, समर सीजन में यात्रियों को मिल सकती है सौगात, कोच वृद्धि होने से बढ़ेंगी 400 सीटें

इंदौर नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस में पिछले साल बढ़ाए गए थे 8 कोच, भोपाल मंडल ने भेजा रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रानी कमलापति स्टेशन से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन के बीच संचालित वंदे भारत ट्रेन बदलने जा रही है। 16 रैक के साथ संचालित हो रही यह ट्रेन अब 20 कोच के साथ चलाने को लेकर रेलवे की तैयारी चल रही है। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो समर सीजन से 4 कोचों की वृद्धि की जा सकती है। इससे 400 सीटों की क्षमता बढ़ जाएगी। वंदे भारत एक्सप्रेस में 112 तक की ऑक्यूपेंसी देखने को मिल रही है। समर सीजन में यह बढ़कर 120 से अधिक हो सकती है। इसको देकर रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए यह प्रस्ताव तैयार किया है।

400 यात्रियों की क्षमता बढ़ जाएगी

अधिकारियों ने बताया कि चार कोच बढ़ जाने से 400 यात्रियों की क्षमता बढ़ जाएगी। यह ट्रेन आरकेएमपी से दिल्ली और दिल्ली से आरकेएमपी आने-जाने वाले यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक विकल्प है। सप्ताहांत में इसके टिकटों की मांग बढ़ जाती है। इसकी वजह से कई बार यात्रियों को टिकट नहीं मिल पाता है। इस दौरान जहां ट्रेन संख्या 20171 (रानी कमलापति-निजामुद्दीन) की ऑक्यूपेंसी 94% तक तो वहीं ट्रेन संख्या 20172 (निजामुद्दीन-रानी कमलापति) की ऑक्यूपेंसी 112% तक पहुंच जाती है।

डीआरएम ने वंदेभारत एक्सप्रेस में झांसी तक सफर कर यात्रियों से लिया था फीडबैक

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को डीआरएम ने वंदे भारत एक्सप्रेस में झांसी तक सफर कर यात्रियों से फीड बैक लिया था। इस दौरान कई यात्रियों ने वंदेभारत की स्पीड़ से लेकर अन्य सुविधाओं को बेहतर बताया था। इस दौरान कुछ यात्रियों ने कोचों में बढ़ोत्तरी की बात कहीं थी। इस पर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही यह ट्रेन 20 कोचों के साथ संचालित हो सकेगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। राजधानी से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस में सीटों की भारी मांग और लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए इसमें कोच बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। रेलवे बोर्ड ने इस पर जल्द फैसला लेने के संकेत दिए हैं। बोर्ड ने हाल ही में वंदे भारत की ऑक्यूपेंसी और पैसेंजर डिमांड को लेकर जोन और मंडलों से रिपोर्ट मांगी थी। इस रिपोर्ट में भोपाल मंडल ने वंदे भारत में यात्रियों की बढ़ती संख्या और टिकट की कमी का मुद्दा प्रमुखता से रखा। इसके बाद जोन की ओर से ट्रेन में चार कोच बढ़ाने का प्रस्ताव बोर्ड को भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि अभी वंदे भारत 16 कोच की है, जिसमें 14 एसी चेयर कार और 2 एग्जीक्यूटिव क्लास कोच हैं। कुल 1128 सीटों की क्षमता वाली इस ट्रेन में जगह लगभग रोजाना फुल रहती है। प्रस्तावित बदलाव के बाद ट्रेन 20 कोच की हो जाएगी, जिसमें 16 चेयर कार और 4 एग्जीक्यूटिव क्लास कोच होंगे। यानी यात्रियों को रोजाना 1560 सीटें मिलेंगी, जो मौजूदा संख्या से 432 सीटें ज्यादा होंगी। उल्लेखनीय है कि पिछले रेलवे की ओर से इंदौर-नागपुर वंदेभारत में ऑक्यूपेंसी को देखते हुए,इस ट्रेन में 8 कोच की बढ़ोत्तरी की थी।

एक घंटे तक बुझी रही लाइटें...

भोपाल। शनिवार रात 8 :30 से 9 :30 बजे तक शहर के प्रमुख स्मारक और विरासत स्थलों पर लाइट बुझाकर अर्थ आवर डे मनाया गया। इस दौरान एक मॉल में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया संस्था ने कैंडल जलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कमियां मिलने पर बिल्डिंग परमीशन हो सकती है निरस्त

शहर में निर्माणाधीन भवनों की होगी जांच

एम्स असपताल के सामने निमार्णाधीन भवन का छज्जा गिरने के हादसे के बाद निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के एम्स अस्पताल के सामने निर्माणाधीन भवन का गत दिवस छज्जा गिरने के हादसे के बाद निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। जिस भवन में यह हादसा हुआ, उसके भू-स्वामी की बिल्डिंग परमीशन निरस्त करने और आर्किटेक्ट को नोटिस देने के अलावा अब शहर भर के निर्माणाधीन भवनों की जांच की जाएगी। यही नहीं विधानसभावार सिटी प्लानर यह भी चैक करेंगे कि कहीं निर्धारित एरिया में अनुमति के अतिरिक्त तो निर्माण नहीं हो रहा है। निर्माणाधीन स्थल पर कमी मिलने पर बिल्डिंग परमीशन निरस्त करने, अतिरिक्त जुर्माना लगाने और अवैध निर्माण पर बुल्डोजर कार्रवाई हो सकती है।

नोटिस जारी किए हैं, सब इंजीनियर भी रखेंगे नजर

निगम की भवन अनुज्ञा शाखा हर माह छह से सात अवैध निर्माण की शिकायतों पर उन्हें हटाने की कार्रवाई करता है। एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह कार्रवाई की जाती है। एम्स अस्पताल के सामने भी निर्माणाधीन भवन स्वामी को नोटिस जारी किए गए और सुनवाई के लिए तारीख तय थी, लेकिन उससे पहले ही हादसा हो गया। निगम जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई करेगा।

आरसीबी के कप्तान रजत की पारी के दौरान भी खूब बजी ताली और सीटियां

अनिकेत ने जैसे ही जड़े एक के बाद एक छक्के, झूम उठा भोपाल

आईपीएल फैन पार्क में जुटे हजारों प्रशंसक, जमकर किया मनोरंजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आईपीएल का 19वां सीजन शनिवार से शुरू हो गया है। राजधानी में भी मैच को लेकर काफी उत्सुकतता थी। दरअसल, पहला मैच आरसीबी और एसआरएच के बीच खेला गया, जिसमें मप्र के दो खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे।

इनमें एक आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और दूसरे एसआरएच के बैटर अनिकेत वर्मा। एक ओर जहां लोग घरों में खास इंतजाम करके बैठे थे तो वहीं दूसरी ओर हजारों प्रशंसक एमबीएम ग्राउंड में जुटे थे। नंबर 7 पर अनिकेत ने फिनिशिंग टच देते हुए 18 गेंदों में 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 43 रन स्कोर किए। भोपाल के अनिकेत जैसे ही क्रीज पर उतरे और उन्होंने एक के बाद एक चार छक्के जड़ने शुरू किए भोपालवासी झूम उठे। सीटियों के बीच हर एक फैन का उत्साह देखने लायक था। यह शोर बढ़ता और बढ़ता इससे पहले ही पहली पारी का खेल खत्म हो गया। भोपाल के बाशिंदे इसलिए भी और खुश थे क्योंकि अनिकेत ने हैदराबाद को 200 रनों के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर आरसीबी की पारी में चौथे नंबर पर कप्तान रजत पाटीदार उतरे तो उनके चौकों और छक्कों पर भी खूब ताली और सीटियां बजीं। रजत पिच पर सिर्फ 12 गेंद ही खेल सके और उन्होंने दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 31 रन बनाए।

भोपाल के अनिकेत ने 18 गेंदों में 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 43 रन बनाए

शहर के आईपीएल फैन पार्क में उपस्थित खेल प्रशंसक।

यूं लगा जैसे बेंगलुरु में मैच देख रहे हों

यह नजारा था मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) के ग्राउंड का, जहां आईपीएल फैन पार्क में 36 गुणा 18 फीट की बड़ी स्क्रीन और हाईवोल्टेज साउंड पर मैच का सीधा प्रसारण देखने के लिए हजारों आईपीएल प्रशंसक परिवार सहित जमा थे। यहां माहौल ऐसा था कि मानो वे भोपाल के एमवीएम ग्राउंड में न होकर बेंग्लुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बैठे हों। इतना ही नहीं, जब भी सीधे प्रसारण के दौरान कोई ब्रेक नजर आता, फैन पार्क के कमेंटेटर कमेंट्री करते और इस बीच जोर से जोशभरा गीत बज उठता।

बच्चों के लिए गेमिंग जोन, फेस पेंटिंग और फूड स्टॉल का भी इंतजाम

यहां का नजारा एकदम किसी मेले की तरह था। दरअसल, यहां बच्चों के लिए गेमिंग और किड जोन लगाए गए थे, जिसमें बच्चे अपनी ही मस्ती में मस्त थे। वहीं, बीच-बीच में फैंस फूड स्टाल का भी आनंद लेते नजर आए। ग्राउंड के बायीं ओर एक क्रिकेट का प्रैक्टिस नेट भी लगाया गया था, जहां बैट बॉल के भी इंतजाम थे। युवा बीच ब्रेक में जाकर यहां अपने हाथ आजमा रहे थे। वहीं, कुछ लोग अपने बच्चों के हाथों और चेहरे पर टीम के पेंटिंग के जरिए टेटू बनवाते नजर आए।

अपने हाथ पर टेटू बनवाता बच्चा।

तगड़ी सुरक्षा-व्यवस्था बीसीसीआई के सुरक्षाकर्मियों के साथ पुलिस भी तैनात

यहां प्रवेश करने वालों के लिए जहां फ्री एंट्री थी तो यहां की सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम भी काफी सख्त थे। एक ओर जहां बीसीसीआई के सुरक्षाकर्मी यहां प्रवेश करने वालों की मैटल डिटेक्टर से जांच कर रहे थे तो दूसरी ओर जहांगीराबाद थाने के पुलिस जवान भी तैनात थे, जो यहां की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे।

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट कार्य के लिए रवि आनंद का सम्मान

संतनगर। भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव कार्यक्रम में आयोजित एक शाम सिन्धियत्त के नाम में अंतरराष्ट्रीय गायक मोहित लालवानी ने भोपाल सिंधी समाज के युवा पत्रकार रवि आनंद को सम्मानित किया। आनंद को यह सम्मान पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एवं समाज में अनुकरणीय कार्यों की सराहना करते हुए दिया गया है। रवि आनंद पिछले 16 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत हैं। आनंद ने अब तक सिंधी समाज के लगभग 5000 से अधिक समाचार सामाजिक स्तर पर लिखे है। रवि आनंद वरिष्ठ पत्रकार स्व. राजेश उधवानी 'गाईड' के सुपुत्र हैं।

सड़क दुर्घटना में वरिष्ठ कांग्रेस नेता गौर घायल

औबेदुल्लागंज। नगर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओमप्रकाश गौर (साधो भैया) सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारियों ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान इमरात सिंह दरबार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महेश जैन, नगर अध्यक्ष दुर्गेश यादव, सूरज मल गौर सहित अन्य लोगों ने कुशलक्षेम पूछी। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि ओमप्रकाश गौर जल्द स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा में सक्रिय हों।

युवक पर हमला करने के दोषी को 3 वर्ष की सजा

भोपाल। सड़क पर नव वर्ष का जश्न मना रहे अपराधी ने रास्ता रोके जाने को लेकर हुए मामूली विवाद पर फरियादी युवक पर लोहे की राड से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपी सलमान खान उर्फ मेंटल पिता बाबू खान, आयु 25 वर्ष निवासी-मकान नंबर जी-11 मल्टी भानपुर जिला भोपाल (म.प्र.) भोपाल को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रहलाद सिंह कैमेथिया ने भादंसं की धारा -326 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष के सश्रम कारावास और 3000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सतीश सिमैया द्वारा पैरवी की गई थी। पुलिस थाना ऐशबाग इलाके में 12 दिसंबर 2024 को रात्रि 12:30 बजे सोनिया गांधी कालोनी भोपाल में आरोपी सलमान मेंटल ने फरियादी कामरान उर्फ कल्लू को राड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल अवस्था में फरियादी को हमीदिया हास्पिटल में को उपचार के लिए भर्ती कराया गया था।

कार लूट के दोषी को 3 वर्ष का कारावास

भोपाल। ओला कैब ड्राइवर को पिस्तौल दिखाकर उसकी कार और मोबाइल फोन लूटकर फरार होने वाले आरोपी रोशन खातरकर पिता शंकरलाल खातरकर, आयु-21 वर्ष, निवासी म.नं. 146/3, न्यू दुर्गा नगर, इण्डस्ट्रियल ऐरिया थाना बाणगंगा इंदौर, मध्यप्रदेश वर्तमान पता म.नं. 511, गुलाब बाग कॉलोनी, ओमप्रकाश, का मकान, थाना लसूडिया गुलाब बाग, इंदौर, मध्यप्रदेश को अपर सत्र न्यायाधीश सुचिता श्रीवास्तव ने दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास औ 6000 रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार 29 अगस्त 2021 को सुबह 6 बजे 11 मील के पास मिसरोद भोपाल में फरियादी शाहरूख खान कामिल को आरोपी पिस्तौल दिखाकर उसकी कार और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गया था।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	236	11	579
रात:	299	02	246
तारा:			
दिन:	260	83	247
रात:	150	67	359

नकली दस्तावेज से बना बीमा एजेंट, पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी

टू व्हीलर की श्रेणी में हार्वेस्टर, चार पहिया वाहनों की 295 फर्जी बीमा पॉलिसी कर इंश्योरेंस कंपनी को लगाई लाखों की चपत

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही एक टीम बिहार भेजी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वाहनों का बीमा करने वाली यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को बीमा एजेंट ने टू व्हीलर की श्रेणी में हार्वेस्टर और दूसरे चारपहिया वाहनों की 295 फर्जी बीमा पॉलिसियां कराते हुए लाखों रुपए की चपत लगा दी। आरोपी फर्जी दस्तावेज से बीमा एजेंट बना था। कंपनी की फ्राड इंवेस्टीगेशन यूनिट के स्टेट मैनेजर की शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी बीमा एजेंट की तलाश की जा रही है। आरोपी मूलतः बिहार का रहने वाला है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही एक टीम बिहार भेजी जा रही है।

पुलिस के अनुसार अलंकार कांप्लेक्स एमपी नगर निवासी जसप्रीत कौर (29) फ्रॉड इंवेस्टीगेशन यूनिट, यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में स्टेट मैनेजर हैं। कंपनी का क्षेत्रीय पंजीकृत कार्यालय अलंकार कांप्लेक्स एमपी नगर में है। कंपनी सामान्य बीमा व्यवसाय का काम करती है और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण से पंजीकृत है। कंपनी का मुख्य पंजीकृत कार्यालय वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे के सामने गोरेगांव ईस्ट मुंबई में स्थित है। जसप्रीत कौर ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि 30 अगस्त 2025 को भोपाल स्थित एजेंसी की सेल्स टीम के रिलेशनशिप मैनेजर को अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉलर ने कोड बनाने का अनुरोध करते हुए खुद का नाम दिनेश बताया। कोड बनाने के लिए उसने एमडी रियाज नामक व्यक्ति के दस्तावेज शेयर किए। लिहाजा एमआईडी कोड नंबर एमडी रियाज के नाम से बनाया गया, जबकि कोड का संचालन करने वाला व्यक्ति दिनेश था। उसकी पहचान फर्जी लग रही थी। प्रथम दृष्टय ऐसा लगा कि कंपनी को धोखा देने के लिए नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी की मोटर पॉलिसियों की नियमित समीक्षा के दौरान पता चला कि आज की तारीख तक 295 पॉलीसियां ऐसी वाहन श्रेणी के तहत जारी की गईं, जो वाहन के पंजीकरण प्रमाण-पत्र के अनुसार मूल श्रेणी से भिन्न थीं।

आरोपी का एजेंट कोड किया ब्लॉक

सभी 295 पॉलिसियां दोपहिया वाहन श्रेणी के तहत बुक की गईं, जबकि संबंधित वाहन के पंजीकरण विवरण में अलग श्रेणी दर्शाई गई थी। ये सभी पॉलिसियां एजेंट एमडी रियाज द्वारा बुक की गईं। कंपनी ने एमडी रियाज के कोड खोलने के समय प्राप्त विवरणों का दोबारा सत्यापन किया, जिसमें एमडी रियाज का पता घरभैलुया तर, नवादा, गिरियक बिहार का होना पता चला है। एमडी रियाज के नाम से कोड 12 सितंबर 2025 को बनाया गया और चार-पांच दिन के भीतर 295 पॉलिसियां जारी की गईं। जालसाजी का पता चलते हीकंपनी ने एमडी रियाज का एजेंट कोड ब्लॉक कर दिया है।

वीजा-पासपोर्ट बनवाने के नाम पर महिला से इंस्टाग्राम फ्रेंड ने की पौने दो लाख की ठगी

पिपलानी पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर इंस्टाग्राम फ्रेंड के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने खुद को विदेशी बताया और भारत आने के लिए वीजा व पासपोर्ट बनवाने के पैसे नहीं होने का झांसा दिया। महिला ने उसके भेजे क्यूआर कोड पर 1 लाख 73 हजार 204 रुपए भेज दिए थे। पिपलानी पुलिस के अनुसार कल्पना नगर पिपलानी निवासी 32 साल की महिला की 11 फरवरी 2026 को इंस्टाग्राम पर किसी अज्ञात युवक से बातचीत शुरू हुई। उसने खुद को विदेशी नागरिक बताया। बातचीत में उसने बताया कि वह भारत आना चाहता है, लेकिन वीजा और पासपोर्ट बनवाने के लिए उसके पास पैसे नहीं हैं। उसने महिला से कहा कि आप कुछ पैसे दे दों। वह पैसों को डॉलर में बदलकर भारत आ जाएगा। महिला उसकी बातों में आ गई और अपने केनरा बैंक अकाउंट से 11 फरवरी से 19 फरवरी के बीच अलग-अलग किस्तों में कुल 1 लाख 73 हजार 204 रुपए उस अज्ञात लड़के के भेजे क्यूआर कोड पर ट्रांसफर कर दिए। रकम ट्रांसफर होते ही अज्ञात आरोपी ने उससे संपर्क खत्म कर लिया। महिला ने घटना की शिकायत साइबर सेल में की थी। साइबर सेल ने जांच के बाद जीरो पर प्रकरण दर्ज कर डायरी पिपलानी पुलिस को भेज दी है।

भंडारा में खाना खाकर लौटते समय गायत्री मंदिर के पास हुआ हादसा

तेज रफ्तार मिनी बस ने सड़क पार कर रहे युवक को मारी टक्कर, मौत

हादसे के बाद ड्राइवर बस लेकर हुआ फरार, पुलिस सीसीटीवी तलाश रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित गायत्री मंदिर के पास शुक्रवार रात सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार मिनीबस ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से बस लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गो शाला के पास एमपी नगर निवासी भीम ठाकुर पुत्र रमेश ठाकुर (26) कबाड़ा खरीदने का काम करता था। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह गायत्री मंदिर से भंडारे में खाना खाकर लौट रहा था। मंदिर के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार मिनीबस के चालक ने उसे चपेट में ले लिया।

भीम ठाकुर, मृतक

भीम के भाई अर्जुन का कहना है कि गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी कुछ देर बाद ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया था। आरोपी चालक और बस का सुराग लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

भाई के साथ बस स्टैंड जा रही थी बहन, सुबह-सुबह हो गया हादसा

चलती बाइक से गिरी महिला की मौत

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित एसओएस सड़क पर गत 12 मार्च की सुबह चलती बाइक से गिरकर महिला घायल हो गई। भाई उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां करीब पंद्रह दिन चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। हादसे के समय वह अपने भाई के साथ बाइक पर बैठकर बस स्टैंड जा रही थी, तभी बाइक से गिर गई। पुलिस के अनुसार सोना पति परसराम यादव (40) बड़ा बाजार, श्यामपुर दौराहा, जिला सीहोर की थी। उनका मायका खजूरी कलां अवधपुरी में था। परिचित की शादी में शामिल होने वह श्यामपुर से भोपाल अपने मायके आई थी। शादी का कार्यक्रम निपटाने के बाद उन्हें श्यामपुर जाना था। उनका भाई उन्हें बाइक से पिपलानी पेट्रोल पंप के पास बस स्टाप पर लेकर जा रहा था। बाइक एसओएस बालग्राम सड़क पर पहुंची ही थी कि सुबह सुबह करीब 6 बजे के आसपास सोना चलती बाइक से गिर गईं। उसे सिर में गंभीर चोट थी। करीब पंद्रह दिन चले इलाज के बाद शुक्रवार शाम सोना की मौत हो गई।

सेकंड फ्लोर की बालकनी से गिरी 17 महीने की बच्ची, मौत

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित तुलसी नगर कॉलोनी में 17 महीने की बच्ची सेकंड फ्लोर की बॉलकनी से गिर गई। घटना 26 मार्च की शाम की है। गंभीर हालत में बच्ची को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां शुक्रवार रात इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार तुलसी नगर कॉलोनी अशोका गार्डन निवासी संतोष गिरि एमपी नगर में प्राइवेट काम करते हैं। परिवार में पत्नी और दो बेटियां थीं। बड़ी बेटी चार साल की है, जबकि छोटी बेटी रोशनी गिरि 17 महीने थी। 26 मार्च की शाम करीब साढ़े 5 बजे रोशनी घर की बॉलकनी में खेल रही थी। मां खाना बना रही थी, जबकि बड़ी बहन घर में कमरे में थी। पिता काम पर गए हुए थे। इसी बीच पड़ोस में रहने वाली रिश्तेदार ने बच्ची की मां को रोशनी के नीचे गिरने की जानकारी दी। बच्ची के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। पहले उसे निजी अस्पताल और बाद में एम्स में भर्ती कराया गया। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई।

सड़क निर्माण में बाधा बन रहे घर के सामने बने चबूतरे, नपा हटाने में नाकाम

सड़क चौड़ीकरण में अतिक्रमण बना बाधा ठेकेदार ने विवादित जगह में कार्य रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

सतलापुर के वार्ड 16 में सड़क निर्माण कार्य को लेकर विवाद सामने आया है। यहां सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय रहवासी भूरा अहिरवार के घर का चबूतरा कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा हैं और रोड का चौड़ीकरण नहीं हो पा रहा। रहवासियों ने बताया कि वार्ड में लंबे समय के बाद सड़क का निर्माण हो रहा है। इस तरह से सड़क पर अतिक्रमण करने से आवागमन बाधित होगा। वार्ड के रहवासियों ने अतिक्रमण हटाने को लेकर पार्षद से मौखिक शिकायत की, जिसको लेकर पार्षद ने मौके पर पहुंच कर यथा स्थिति जानी और जल्द अतिक्रमण हटाने को लेकर आश्वासन दिया।

वार्ड में निर्माणाधीन चबूतरे के मालिक भूरा अहिरवार का इस तरह से नियम विरुद्ध काम करने का पहला मामला नहीं है, नगर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी निर्माणाधीन 3 मंजिला बिल्डिंग में बेसमेंट बिना परमिशन के किया है, जिसकी शिकायत भी नपा में की गई है, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। अतिक्रमण को लेकर पार्षद के द्वारा नपा सीएमओ और नपा अध्यक्ष को अतिक्रमण हटाने को लेकर शिकायत किया परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

समस्या के निराकरण के बाद होगा काम शुरू

सड़क निर्माण में घर के बाहर बनी सीढ़ी बनी बाधा।

वार्ड 16 के जिस गली का पक्का निर्माण किया जा रहा है, उसमें अतिक्रमण को लेकर उत्पन्न हुए विवाद के बाद ठेकदार ने निर्माण का रोक दिया है। उनका कहना है कि जब तक इसका निराकरण नहीं हो जाता तब तक निर्माण कार्य नहीं होगा। इस विवाद के कारण काम में देरी होने की संभावना जताई जा रही है।

रहवासियों से मिली है शिकायत

रहवासियों द्वारा मुझे शिकायत प्राप्त हुई थी, भूरा अहिरवार के द्वारा शासकीय रास्ते में चबूतरे का निर्माण कर रखा है। मैने मौके पर जाकर देखा जो सत्य पाया गया, जिसके बाद नपा सीएमओ एवं अध्यक्ष को इसकी जानकारी दी, लेकिन अभी तक अतिक्रमण नहीं हटा।
धर्मेंद्र यादव (गोल्डी), पार्षद वार्ड 16, मंडीदीप।

घर में जाने का दूसरा विकल्प नहीं

मेरे घर में 13 सदस्य निवास करते हैं, हमारा चबूतरा अगर टूट जाता है तो हम घर में कैसे प्रवेश करेंगे। मेरे पास और कोई दूसरा विकल्प नहीं है, घर में जाने का। मैं चाहता हु मेरे घर के सामने का अतिक्रमण न टूटे।
भूरा अहिरवार, अतिक्रमणकारी

सड़क पर निर्माण हुआ है तो कार्रवाई होगी

शासकीय सड़क पर अगर किसी का निर्माण पाया जाएगा, जिससे रहवासियों को आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है, तो अवश्य ही कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही निर्माधीन चबूतरे को हटाया जाएगा।
प्रशांत जैन, सीएमओ, नपा मंडीदीप।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल का शत प्रतिशत परिणाम घोषित

केवल विद्यार्थियों के नंबरों पर जोर नहीं देते, बल्कि संस्कारों पर भी ध्यान दिया जाता है : बसंत चेलानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत घोषित किया गया। इस दौरान अतिथि के रूप में कर्नल नारायण पारवानी, संस्था के सचिव बसंत चेलानी, सुरेश राजपाल, गोपाल गिरधानी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी का जन्मदिन भी मनाया तथा उनके स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर चेलानी ने कहा कि हमारे विद्यालय में केवल बच्चों के नंबरों पर जोर नहीं दिया जाता है, बल्कि उनके संस्कारों पर ध्यान दिया जाता है, जिसके लिए गीता के श्लोकों और हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी ने सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि जो बच्चें कुछ अंकों से असफल हो गए हैं उन्हें घबराना नहीं चाहिए, बल्कि अपनी कमजोरी को पहचान कर उसे सुधार करके दोगुनी मेहनत के साथ सफल होने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में गोपाल गिरधानी ने कहा कि बच्चे सालभर मेहनत करते हैं और जब उनका परीक्षा परिणाम आता है तो घबराहट के साथ उत्साह भी रहता है। अभिभावकों को भी बच्चों से बहुत उम्मीदें रहती है।

अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते अतिथि।

युवा और महिलाएं भक्ति गीतों पर थिरकते नजर आईं

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा, देर रात तक गूंजते रहे जय श्रीराम के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

रामनवमी के पावन अवसर पर भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। नगर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही। जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो देर रात तक जारी रही। शोभायात्रा की शुरुआत अर्जुन नगर स्थित शिव मंदिर से गाजे-बाजे के साथ हुई। जुलूस में भगवान श्रीराम एवं भगवान हनुमान की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शोभायात्रा में शामिल हुई भव्य प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की मनमोहक झांकी।

जुलूस में विशेष अतिथियों को किया स्वागत।

यात्रा का जगह-जगह सामाजिक संगठनों ने किया स्वागत

शोभायात्रा में बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और 'जय श्रीराम' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। युवा एवं महिलाएं भक्ति गीतों पर झूमते और थिरकते नजर आए। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली इस यात्रा का जगह-जगह सामाजिक संगठनों, व्यापारी वर्ग और नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्री राम हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष भाई राजेश खटीक एवं समिति के सदस्यों द्वारा जुलूस का विशेष स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में कमल नरेश मालवीय, डॉ. नंदू नागर, बालासेनी, जीतू नेमा, संजय सिंह चौहान, बंटी जोशी, संजय चौरसिया, संजय खटीक, विक्रम धाड़ी, उत्तम यादव एवं विनोद इरपाचे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

महावीर स्वामी ने दीक्षा धारण कर 12 साल तक की कठोर तपस्या

भगवान महावीर स्वामी के आदर्श आज भी सामयिक पूरे समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं : डॉ. मीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

महावीर जंयती पर विशेष

डॉ. मीना जैन

युगदृष्टा श्रेष्ठ भगवान महावीर स्वामी का जन्म आज से लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व 598 ईसा पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन वैशाली प्रांत के कुंडग्राम में हुआ था। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी के पिता का नाम सिद्धार्थ तथा माता का नाम त्रिशला था। उन्होंने 30 वर्षों तक गृहस्थ अवस्था में रहकर सांसारिक जीवन व्यतीत किया, किंतु भोग-विलास से विरक्त होकर उन्होंने जैन दीक्षा धारण कर ली और निरंतर 12 वर्षों तक कठोर तपस्या की। तत्पश्चात केवल ज्ञान की दिव्य विभूति प्राप्त कर उन्होंने समस्त प्राणियों को अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे महान सिद्धांतों को जीवन का लक्ष्य बनाकर उपदेश दिया। भगवान महावीर स्वामी के संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। यदि अहिंसा, अपरिग्रह और सत्य के सिद्धांतों को संसार में अपनाया जाए तो युद्ध, आतंकवाद, बेईमानी जैसी अनेक बुराइयों का अंत संभव है। उनके सिद्धांतों में मैत्री भाव, प्रमोद भाव, करुणा भाव और मध्यस्थ भाव की भावना प्रमुख रूप से विद्यमान थी। इन्हीं भावनाओं को शब्द देते हुए जुगल किशोर ने कहा-

'मैत्री भाव जगत में मेरा, सब जीवों से मित्र रहे,
दीन-दुखी जीवों पर मेरी ओर से करुणा स्त्रोत बहे,
दुर्जन, क्रूर, कुमार्गियों पर भी मन में क्षोभ न आवे,
समभाव रखूँ मैं उन पर, ऐसी परिणति हो जावे।'

आदर्शों का पालन करने से राष्ट्र का होगा सकता है विकास

इसी भावना के अनुरूप भगवान महावीर स्वामी का मानना था कि यदि संपूर्ण विश्व उनके आदर्शों का पालन करें, तो पूरा विश्व एक राष्ट्र के रूप में विकसित हो सकता है और विभिन्न समस्याओं से बचकर शांत, समृद्ध एवं सुखी जीवन की स्थापना संभव है। इस संबंध में डॉ. मीना जैन, जिन्होंने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की पुस्तक 'मुख माटी' पर पीएचडी की है, ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन और उनके सिद्धांतों को मानवता के लिए मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने होटल में ले जाकर बंधक बनाकर महिला से किया दुष्कर्म

पुलिस ने महिला की शिकायत पर दर्ज किया मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित मनोहर डेयरी के पास से महिला का अपहरण कर होटल में ले जाकर बंधक बनाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला को बंधक बनाकर रखा और उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसे छोड़ दिया। घटना के समय महिला निजी अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखकर अपने स्कूटर से लौट रही थी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बंधक बनाने और दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार 29 साल की महिला शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में रहती है। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। करीब दो महीने पहले उसकी इंस्टाग्राम पर हारिस खान नामक युवक से दोस्ती हो गई। हारिस खान डीआईजी बंगला इलाके में रहता है और मंडी में काम करता है। महिला का कहना है कि मोबाइल पार बातचीत होने लगी थी। कुछ दिनों से उसने हारिस खान से बातचीत बंद कर दी। शुक्रवार रात वह घर से स्कूटर लेकर मालीखेड़ी स्थित निजी अस्पताल गई थी। वहां भर्ती रिश्तेदार को देखकर घर लौट रही थी। इसी बीच मनोहर डेयरी के पास रात करीब साढ़े 11 बजे उसे हारिस मिल गया। वह उसे डरा धमकाकर उसी की स्कूटर में बिठाकर होटल में लेकर पहुंचा, वहां जबरन शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसे छोड़ दिया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय और ठाकरे के जीवन से सीखें कार्यकर्ता : खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भोपाल-नर्मदापुरम में आयोजित मंडल प्रशिक्षण वर्गों को किया संबोधित

[कहा, भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया]

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के तहत भोपाल जिले के गोविंदपुरा विधानसभा के इंद्रपुरी मंडल और नर्मदापुरम में नर्मदापुरम मंडल के रामानंद गार्डन में प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को आयोजित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। बदलते हुए समय में कार्यपद्धति में बदलाव आवश्यक है, लेकिन विचारधारा से कभी समझौता नहीं हुआ। पार्टी कार्यकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय और कुशभाऊ ठाकरे के जीवन से सीखें कि उन्होंने किस प्रकार संगठन को गढ़ने का कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान वैश्विक स्थिति में दुनिया भर के देशों के साथ समन्वय बनाकर भारत के हितों की रक्षा कर रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के कार्यों से यह भी सीखना चाहिए कि अपने देश, देश की जनता के हितों के लिए किस प्रकार से कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी विचारधारा और संगठनात्मक पद्धति को सर्वोपरि रखते हुए देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। खण्डेलवाल ने नर्मदापुरम में प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करने के बाद जिला बैठक एवं जिला जनप्रतिनिधि बैठक को भी संबोधित किया। भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग को प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल के शहीद भवन में सेहरा निवासी, भारतीय सेना की ईएमई कोर ग्वालियर में सूबेदार पद पर सेवारत दयानंद लिल्लोरे के दुःखद निधन पर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

खबर संक्षेप

प्रदेश भर के शिक्षक संगठनों की बैठक का आयोजन आज

■ बैठक में संयुक्त शिक्षक मोर्चा बनाया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी व आगे की रणनीति तय होगी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की ओर शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर आदेश जारी होने के बाद इसको लेकर विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। शिक्षक संगठन जहां एक ओर इसको लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जनप्रनिधियों के माध्यम से सरकार से इसको लेकर सर्वोच्च न्यायालय में पुर्नविचार याचिका दायर करने की मांग भी कर रहे हैं। शिक्षक संगठनों द्वारा अब एक जुट होकर इसको लेकर संयुक्त बैठक का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रदेशभर में शिक्षक संगठनों द्वारा यह बैठक 29 मार्च को आयोजित की जाएंगी। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर 29 मार्च को सभी शिक्षक संगठनों की संयुक्त बैठक बुलाई है। इस बैठक में संयुक्त शिक्षक मोर्चा बनाया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। टीईटी के अलावा "शिक्षक एप से अटेंडेंस" और "सेवा वृद्धि" जैसे मुद्दे भी प्रमुख रहेंगे। इस बैठक में ही शिक्षक आगे आंदोलन का प्लान तैयार करेंगे।

अमृत 2.0 में जल आपूर्ति परियोजनाओं का मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे भूमिपूजन

सीएम आज इंदौर में लॉन्चपैड: इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का करेंगे भव्य शुभारंभ

डीप-टेक नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा, संकल्प से समाधान कार्यक्रम में भी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 29 मार्च को इंदौर में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित लॉन्चपैड : इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का शुभारंभ करेंगे। इंदौर के दशहरा मैदान में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान कार्यक्रम में भाग लेंगे। अमृत 2.0 योजना में विभिन्न जल आपूर्ति परियोजनाओं का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण भी करेंगे। मप्र में डीप-टेक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र सुदृढ़ होगा।

सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित लॉन्चपैड : इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन एवं रिसर्च पार्क) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) के संयुक्त सहयोग से की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य डीप-टेक नवाचार को प्रोत्साहित करना, उच्च प्रभाव वाले स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, उन्नत विनिर्माण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रदेश को सशक्त बनाना और उद्योग एवं अकादमिक जगत के बीच सहयोग को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री लॉन्चपैड सेंटर का अवलोकन करेंगे तथा यहां संचालित नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। यह केंद्र मप्र को डीप-टेक नवाचार आधारित विकास एवं उद्यमिता का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान से मजबूत हुआ जनविश्वास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दशहरा मैदान में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितलाभ वितरण करेंगे। प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में 1 लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। अभियान चार चरणों में संचालित हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागों की 100 से अधिक सेवाओं को शामिल किया गया। शासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

विस्तारित जल वितरण प्रणाली

पैकेज–4 के तहत 20 नए ओवरहेड टैंक एवं 46 मौजूदा टैंकों का उन्नयन किया जाएगा। साथ ही 25.82 किमी फीडर लाइन और 892 किमी वितरण पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस पैकेज के माध्यम से लगभग 1.21 लाख नए घरेलू कनेक्शन और 1.62 लाख से अधिक वाटर मीटर लगाए जाएंगे, जिससे जल वितरण प्रणाली को और अधिक स्मार्ट एवं प्रभावी बनाया जाएगा। इस कार्य की लागत लगभग 497.23 करोड़ रुपए है। इसे 36 माह में पूर्ण किया जाएगा।

इस कार्य की लागत लगभग 497.23 करोड़ रुपए

सिरपुर एसटीपी : स्वच्छता और जल पुनः उपयोग की दिशा में बड़ी पहल

मुख्यमंत्री सिरपुर क्षेत्र में 20 एमएलडी क्षमता के अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण करेंगे। लगभग 62.72 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना के तहत 10 प्रमुख सीवर आउटफॉल को ट्रैप कर अशोधित सीवेज को सीधे तालाब में जाने से रोका गया है। परियोजना में 8.5 किमी सीवर लाइन, 5 किमी ट्रीटेड वाटर रीयूज लाइन तथा 0.5 एमएल क्षमता का ओवरहेड टैंक स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से उपचारित जल का उपयोग शहर के लगभग 25 उद्यानों, हरित क्षेत्रों एवं अन्य कार्यों में किया जाएगा।

अमृत 2.0 के तहत जल आपूर्ति को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री अमृत 2.0 योजना के तहत नर्मदा जल प्रदाय योजना के चौथे चरण का भूमि-पूजन करेंगे। इस परियोजना से शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा तथा वर्ष 2040 तक की बढ़ती आबादी की मांग को पूरा करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी।

पैकेज-2 : पाइपलाइन एवं टनल निर्माण

पैकेज-2 के तहत वांचू पॉइंट से राऊ सर्कल तक लगभग 39 किमी लंबी 2235 मिमी व्यास की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। साथ ही लगभग 2870 मीटर लंबाई में आधुनिक तकनीक से टनल निर्माण किया जाएगा तथा राऊ सर्कल पर क्लोरीनेशन सिस्टम स्थापित कर जल की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। इस पैकेज की लागत लगभग 448.23 करोड़ रुपये है तथा कार्य 30 माह में पूर्ण किया जाएगा।

दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की

छिंदवाड़ा हादसा लापरवाही और दबाव की राजनीति का परिणाम

घायलों से मिलते पटवारी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू ने हादसे के घायलों से मुलाकात कर पूछी कुशलक्षेम

» घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

» वरिष्ठ नेतागण इस दौरान उपस्थिति रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को छिंदवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौटते समय हुई भीषण सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से भेंट कर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

पटवारी ने अस्पताल पहुंचकर दुर्घटना में घायल लोगों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान विधायकगण सोहन वाल्मीकि, निलेश उइके, सुनील उइके, विजय चौरे, सुजीत चौधरी, जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील जायसवाल एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हादसे के पीड़ित परिवारों से चर्चा करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी।

पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा नहीं दिया: जीतू

जीतू पटवारी ने कहा कि छिंदवाड़ा की यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। यह केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही, अव्यवस्था और जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को डराकर और दबाव बनाकर कार्यक्रम में शामिल किया गया। महिलाओं को 1500 का प्रलोभन देकर सभा में ले जाया गया, जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 10 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हुए। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद भी सरकार का रवैया संवेदनहीन रहा और पीड़ित परिवारों को न तो उचित मुआवजा दिया गया और न ही पर्याप्त राहत दी गई।

» मामले में ठोस कार्रवाई का अभाव चिंता का विषय

पटवारी ने यह भी कहा कि छिंदवाड़ा में इससे पहले कथित रूप से सिरप पीने से 26 बच्चों की मौत का मामला सामने आया था, जो प्रशासनिक लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश करता है। ऐसे मामलों में ठोस कार्रवाई का अभाव चिंता का विषय है।

सुनो शहर सरकार

एक महिला पार्षद दुखी, उन्हें निगम की संपति की जानकारी नहीं मिल रही

पुराने शहर की एक महिला पार्षद इन दिनों बेहद परेशान हैं। दरअसल वे लंबे समय से परिषद की बैठक में निगम की संपित्त की जानकारी मांग रही हैं, लेकिन उन्हें हर बार नुजुल से संपर्क करने को कह दिया जाता है। पार्षद का तर्क है कि जब संपत्ति निगम की है तो जानकारी तो निगम ही देगा। बहरहाल मामला जो भी हो, लेकिन उनकी मंशा है कि वे अपने वार्ड में पार्क, सामुदायिक भवन, खेल मैदान जैसे छोटे-छोटे विकास कार्य करवा पाएं, लेकिन उन्हें अपने ही वार्ड में निगम की संपत्ति की जानकारी नहीं मिल रही। इसे लेकर वे बेहद परेशान हैं। हाल ही हुई बजट बैठक में भी उन्होंने यही मामला उठाया तो उन्हें फिर यही जवाब मिला। हालांकि वे आरोप लगाने से नहीं चूकीं कि निगम को ही निगम की संपित्त नहीं पता। बरहाल निगम के रवैये से तो ऐसा लगता कि महिला पार्षद अपने वार्ड में छोटे-छोटे विकास कार्य भी नहीं करवा पाएंगी!

जनप्रतिनिधि का अजीबो-गरीब आरोप

शहर के एक पार्षद का अजीबो-गरीब आरोप है। इसमें सच्चाई कितनी है पता नहीं, लेकिन उनका कहना है कि डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन में लगे वाहनों से रात में सवारियों को ढोहने का काम किया जा रहा है। भरी निगम परिषद की बैठक में वे यह आरोप लगाने से पीछे नहीं रहे। उनकी यह बात सुनकर सब दंग रह गए कि ऐसा कैसे संभव है, लेकिन पार्षद अपने आरोप पर अडिग रहे और वीडियो बनाकर देने तक की बात कह दी। उनका कहना था कि कचरा कलेक्शन में लगे वाहनों को ड्राइवर घर ले जाते हैं। जबकि ऐसी प्रथा पर रोक लगना चाहिए। हालांकि उन्हें उचित कार्रवाई का भरोसा जरूर दिलाया गया। अब देखना यह है कि क्या निगम प्रशासन मैजिक वाहनों को खडे करने के लिए कोई जगह निर्धारित करता भी है या नहीं।

बिना वार्ड प्रभारी के चल रहा है वार्ड कार्यालय

अब तो वित्तीय वर्ष समाप्त होने में केवल तीन दिन बचे हैं, लेकिन निगम के जोन-16 में आने वाले एक वार्ड कार्यालय में तो वार्ड प्रभारी बीते दो माह से नहीं हैं। बिना प्रभारी के ही वार्ड कार्यालय चल रहा है। बताया तो यह भी जा रहा है कि उक्त वार्ड राजस्व वसूली में भी लक्ष्य से पीछे है। राजस्व वसूली में सबसे अधिक भार वार्ड प्रभारी पर ही रहता है। ऐसे में लंबे समय से उनके नहीं होने से यह काम जरूर प्रभावित हुआ होगा। हालांकि राजस्व वसूली की काम जेडओ ने संभाल रखी थी। बहरहाल राजस्व वसूली को लेकर कर्मचारियों की वेतन कटौती, तबादले जैसी कार्रवाई के बीच वार्ड प्रभारी का पद खाली होना चिंताजनक तो है।

-एमएम सिद्दीकी

मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को दी ट्रेनिंग

प्रकृति संरक्षण के लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण

प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाने शिक्षकों को दी प्राकृतिक शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमपीटीटीएनसी 2025-2028) के तहत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में हुए कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-26 में प्रारंभ किए गए मिशन लाइफ (लाइफ स्टायल फॉर एनवारनमेंट) के उद्देश्यों से प्रेरित यह प्रशिक्षण डब्ल्यूडब्ल्यूएफ -इंडिया, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल) और पीसीपीसी के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इसका लक्ष्य प्रकृति के अविवेकपूर्ण उपभोग के स्थान पर सचेत और विचारशील उपयोग को बढ़ावा देना है। शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली के संबंध में प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों को जिम्मेदार और जागरुक नागरिक के रूप में विकसित करना है।

पन्ना नेचर कैंप्स के अनुभव से मिली प्रेरणा

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की परिकल्पना पूर्व में आयोजित पन्ना नेचर कैंप्स की सफलता से प्रेरित हो कर की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ -इंडिया के सहयोग से संचालित इन शिविरों ने पन्ना टाइगर पुनस्थापन परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग 15 वर्षों तक चले इस प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया कि संरक्षण कार्योंमें समाज और समुदाय की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण संरक्षण के संवैधानिक दायित्व पर फोकस

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस तथ्य पर विशेष जोर दिया गया कि राज्यों को पर्यावरण की रक्षा और सुधार का दायित्व देता है, जबकि हर नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने और सभी जीवों के प्रति करुणा रखने का मौलिक कर्तव्य सौंपता है। इसके तहत वन, झील, नदियां और वन्यजीवों की सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में रेखांकित किया गया है। प्रकृति संरक्षण की चुनौतियों पर चर्चा शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में प्रकृति संरक्षण से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह की दी गई समयसीमा के बीच तेज हुआ ऑपरेशन

बस्तर में नक्सल उन्मूलन अभियान निर्णायक दौर में

नक्सलमुक्ति की ओर छत्तीसगढ़: 4 हजार नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे

पापाराव के सरेंडर से कमजोर पड़ा माओवाद, माओवादियों की संख्या व हथियारों का जखीरा हुआ कम

जगदलपुर से लौटकर मनीष मान ▶▶

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। अब तक करीब 4 हजार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है, जिससे नक्सली संगठन बेहद कमजोर हो चुका है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि माओवादियों की संख्या लगातार घट रही है और हथियारों का जखीरा भी कम हुआ है।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 31 मार्च तक देश को नक्सलमुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने कार्रवाई और तेज कर दी है। इसके फलस्वरूप सफलता भी मिल रही है।

अभियान की जानकारी देते सुरक्षा बल के अधिकारी।

2024-25 में सुरक्षा बलों ने 600 माओवादी ढेर किए

आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सुरक्षा बलों ने करीब 600 माओवादियों के शव बरामद किए, जो इस अभियान की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा होने के बाद भी नक्सल विरोधी ऑपरेशन जारी रहेगा, ताकि किसी भी तरह की पुनसक्रियता को रोका जा सके।

सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ रहे नक्सली

कांकेर और राजनांदगांव सीमा पर मुठभेड़ के बाद चार महिलाएं समेत छह नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इन नक्सलियों ने सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला लिया। सबसे बड़ा झटका नक्सल संगठन को तब लगा, जब बस्तर के आखिरी बड़े कैडर पापाराव उर्फ मंगू ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। वह एके-47 जैसे आधुनिक हथियारों के साथ बीजापुर में सरेंडर करने पहुंचा। पापाराव पश्चिम बस्तर डिवीजन का प्रमुख चेहरा था और उसके समर्पण से संगठन लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।

फाइल फोटो

26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके

सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं। आईजी सुंदरराज पी. ने शेष नक्सलियों से भी हिंसा छोड़कर सम्मानजनक जीवन अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि और भी नक्सली मुख्यधारा में लौटने के लिए तैयार हैं। इससे साफ है कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलमुक्ति की ओर तेजी से बढ़ रहा है और बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापना की उम्मीद मजबूत हो गई है।

अचानक बस पलट गई 1 की मौत, 15 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगर मालवा

जिले में एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा बड़ागांव के पास हुआ है, जिसमें एक यात्री की मौत हो गई। वहीं 15 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जिनमे से तीन गम्भीर घायलों को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक सुसनेर से कुरावर जा रही एक निजी यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर बड़ागांव के समीप पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नलखेड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

खरगोन में चलते ट्रक में लगी आग, हादसा टला

पेट्रोल पंप के पास धधका वाहन 300 मी. दूर ले जाकर रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरगोन

खरगोन में शनिवार देर शाम डायवर्सन रोड पर एक चलते ट्रक में आग लग गई। ट्रक का पिछला हिस्सा जलता रहा और वाहन करीब 300 मीटर तक आगे बढ़ता रहा। पेट्रोल पंप के पास घटना होने से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार ट्रक श्रीजी ऑटो सेंटर स्थित पेट्रोल पंप के पास खड़ा था, तभी उसमें आग लग गई। एक तांगा चालक ने पंप कर्मचारियों को सूचना दी। कर्मचारियों ने तुरंत इमरजेंसी स्विच बंद कर दिया और फायर बॉटल से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही दमकल विभाग को सूचना दी गई।

ट्रक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए जलते वाहन को पेट्रोल पंप से दूर करीब 300 मीटर आगे खाली चावला मार्केट परिसर में ले जाकर रोका, जिससे संभावित बड़ा नुकसान टल गया। नगरपालिका की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक में रखा सामान काफी हद तक जल चुका था। ट्रक एक ट्रांसपोर्ट कंपनी का था, जिसमें स्टेशनरी और कॉस्मेटिक सहित विभिन्न प्रकार का सामान रखा था। आग से पूरा माल जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब 2 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

चाकू-छुरी व तलवार समेत लोहे की रॉड व अन्य सामग्री बरामद

डकैती की योजना बना रहे नाबालिग समेत पांच सशस्त्र बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहजहांनाबाद पुलिस ने भूत बंगला के पास ईदगाह हिल्स इलाके में डकैती की योजना बना रहे पांच सशस्त्र बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। आरोपी शाहजहांनाबाद के रामनगर इलाके में डकैती डालने की योजना बना रहे थे। आरोपियों से चाकू-छुरी] तलवार समेत लोहे की रॉड व अन्य सामग्री बरामद हुई है।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार 27 मार्च की रात मुखबिर से सूचना मिली कि ईदगाह हिल्स क्षेत्र में भूत बंगला के पास कुछ सशस्त्र बदमाश डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की दो अलग-अलग टीमों को मुस्तैद किया गया। पुलिस ने घेराबंदी कर एक नाबालिग समेत पांच संदेहियों को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम ऐजाज खान उर्फ लंगड़ा (25) निवासी मदर इंडिया कॉलोनी शाहजहांनाबाद, आसिया खान (25) निवासी मल्टी वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स, अरबाज खान (21) निवासी रायसेन कोतवाली व आशन अली (20) निवासी मदर इंडिया कॉलोनी का होना बताए। सख्ती से पूछताछ करने पर नाबालिग समेत पांचों आरोपियों ने रामनगर में डकैती की योजना बनाना कुबूल किया। तलाशी लेने पर उनके पास से पांच चाकू-छुरी व तलवार समेत लोहे की रॉड, लोहे का डंडा, प्लास्टिक की टार्च और प्लास्टिक की बोरी जब्त की गई। नाबालिग के खिलाफ विधि संगत कार्रवाई करते हुए बाल कल्याण अधिकारी की सुरक्षा में रखा गया है, जबकि अन्य चारों बालिग आरोपियों के खिलाफ डकैती डालने की योजना बनाने व आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

सरगना एजाज लंगड़ा से चरस व गांजा भी बरामद

पुलिस ने बताया कि आरोपी एजाज खान उर्फ लंगड़ा गिरोह का सरगना है। पूछताछ में उसने गांजा व चरस की तस्करी करने की बात भी स्वीकार की। लिहाजा पुलिस ने उसकी निशानदेही पर छिपाकर रखी गई 106 ग्राम चरस व 599 ग्राम गांजा भी बरामद किया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी एजाज अपनी पत्नी और नाबालिग बालक की आड़ में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था। उसके खिलाफ 10 प्रकरण दर्ज हैं, जबकि आसिया खान, अरबाज व आशन अली के खिलाफ एक-एक अपराध पंजीबद्ध है।

पेज एक का शेष...

इस बार की थीम रही ...

स्थिरता के बारे में लोगों और संस्थाओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए एक घंटे तक गैरजरूरी लाइटें बंद कर दी जाती हैं। इस साल अर्थ आवर ग्लोबल मूवमेंट की 20वीं सालगिरह है, जिसे 'पृथ्वी के लिए एक घंटा दें' थीम के तहत मनाया गया। यह हमारे ग्रह के लिए मिलकर किए जाने वाले कामों पर जोर देता है। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा हर साल आयोजित किया जाने वाला अर्थ आवर 2007 में सिडनी में एक सिंबॉलिक लाइट्स-ऑफ इवेंट के तौर पर शुरू हुआ था। पूरे भारत और दुनियाभर में मशहूर जगहें, सार्वजनिक स्थान और घर इस सिंबॉलिक स्विच-ऑफ में शामिल रहे, जिससे क्लाइमेट एक्शन की जरूरत और प्राकृतिक संसाधनों के बचाव की ओर ध्यान जाएगा।

सम्मेलन से निवेश...

लिए व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा, जिससे तीर्थ पर्यटन को अधिक सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाया जा सकेगा।

शिल्पकारों के लिए....

और समन्वित पर्यटन मॉडल विकसित करने पर जोर रहेगा।

तेल-गैस की ...

को गैस और एलपीजी की आपूर्ति में कटौती बरकरार है। गौर हो कि कि इससे पहले शुक्रवार को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्रियों और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की थी। इस बैठक में पश्चिम एशिया के हालात और उसके संभावित प्रभावों के मद्देनजर राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई थी।

घरेलू एलपीजी ...

काम कर रही हैं। यही नहीं, घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

रूस ने 1.....

चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देश इसके बड़े खरीदार हैं। रूस से भारत मुख्य तौर पर कच्चा तेल आयात करता है, बना-बनाया पेट्रोल नहीं। भारत का नाम दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरों में आता है, जो खुद पेट्रोल बनाकर दुनिया को बेचता है। भारत के कुल रूसी आयात में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी काफी कम करीब 5-7% है।

फारस की खाड़ी ...

पर से गैस को दूसरी जहाजों को जरिए उतारा गया है। जग वसंत उन दो जहाजों में से एक है जो सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था। इन मर्चेंट जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैनात थे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत होर्मुज स्ट्रेट को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है। कुछ और जहाजों के जल्द ही भारत पहुंचने की संभावना है।

हाई कोर्ट के जजों ...

(एएसआई) द्वारा संरक्षित है और इस स्थल को लेकर कोर्ट में काफी लंबे समय से सुनावई चल रही है। एएसआई की 2,000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि इस परिसर में धार के परमार राजाओं के शासनकाल की एक विशाल संरचना मस्जिद के मुकाबले पहले से मौजूद थी और वहां वर्तमान में मौजूद एक विवादित ढांचा प्राचीन मंदिरों के हिस्सों का फिर से इस्तेमाल करते हुए बनाया गया था।

ज्यादातर जिलों में ...

से दशमलव 3 डिग्री कम है। प्रदेश में सबसे अधिक दिन का तापमान नर्मदापुरम और खंडवा में 38.5 डिग्री दर्ज हुआ है। शुक्रवार से शनिवार के बीच रीवा, भिंड और दतिया में बारिश हुई। शनिवार को भी पूर्वी और उत्तरी मप्र में कुछ जगह बारिश होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब दो पश्चिमी विक्षोभ, दो सकुर्लेशन और ट्रफ होने से प्रदेश में मौसम बदल रहा है। रविवार से अगले चार से पांच दिनों के बीच अलग-अलग दिनों में प्रदेश के उत्तरी, पूर्वी और मध्य हिस्से तक आंधी के साथ बारिश होगी। इससे दिन के तापमान में प्रदेशभर में तीन से 4 डिग्री तक कमी आएगी। रीवा, दतिया और भिंड में बारिश के बाद शनिवार को अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में कमी आने के साथ पारा सामान्य के करीब रहा है। सबसे अधिक गिरावट पूर्वी मप्र के छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, रीवा, सतना, रायसेन और नौगांव में डेढ़ से 2 डिग्री तक रही। प्रदेश में औसत पारा 36.5 डिग्री तक रहा। यह सामान्य से औसतन एक डिग्री अधिक है। दो दिन बाद इसमें तेजी से कमी आएगी।

भोपाल में होगा ...

विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च को उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में पहले दिन 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिए युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। इसी दिन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे। दूसरे दिन 31 मार्च को 'विकसित भारत 2047' युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां' विषय पर मंथन होगा। इस दिन अन्य सत्रों के अलावा एमआईटी पूना के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का भी संबोधन होगा। समापन समारोह में राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश शामिल होंगे। कार्यक्रम में मप्र के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

युद्ध के संकट...

से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि कल सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई। देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है। प्रधानमंत्री ने कहा-देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यह टर्मिनल हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

प्रदेश में अब ....

के लिए अपने संभाग प्रभारी से समन्वय स्थापित करेंगे। प्रभारी अधिकारी को आवश्यकतानुसार कार्य विभाजन आदेश में संशोधन करने के लिए अधिकृत किया गया है।

महावीर जयंती पर ...

जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस साल महावारी स्वामी जयंती 30 मार्च को पड़ रही है। विधायक ने जबलपुर हाईकोर्ट की अधिसूचना का भी उदाहरण दिया, जिसमें सुधार करते हुए 30 मार्च को ही अवकाश घोषित किया गया है।

दो दिन पहले ही काम की तलाश में आए थे

नर्मदा नदी में रेत से भरी नाव पलटी बिहार के 2 युवक लापता, रेस्क्यू जारी

अचानक मौसम बदला व नाव का संतुलन बिगड़ गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

भैरूंदा क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। यहां सीलकंठ नाव घाट पर नर्मदा नदी की बीच धारा में रेत से लदी एक नाव अचानक पलट गई। इस हादसे में नाव पर सवार चार युवकों में से दो ने तो तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन दो अन्य युवक गहरे पानी में समा गए। प्रशासन ने एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन घंटों की मशक्कत के बाद भी लापता युवकों का सुराग नहीं लग पाया है। दोपहर 3 बजे चार युवक नाव लेकर नर्मदा नदी में गए थे। बताया जा रहा है कि नाव में क्षमता से अधिक रेत भरी हुई थी। अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाओं के कारण नदी में ऊंची लहरें उठने लगीं। नाव भारी होने के कारण संतुलन बिगड़ गया और पानी अंदर भरने लगा, जिससे देखते ही देखते नाव बीच मझधार में पलट गई। मुकेश कुमार और सोनू कुमार निवासी पूर्णिया बिहार ने साहस दिखाते हुए तैरकर किनारा पकड़ लिया और अपनी जान बचा ली। वहीं उनके साथी लड्डू कुमार और रंजीत तेज बहाव की चपेट में आ गए और देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गए। ये चारों युवक बिहार के पूर्णिया जिले के रहने वाले हैं और महज दो दिन पहले ही काम की तलाश में इस क्षेत्र में आए थे। ये आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं साले-जीजा और साढ़ू।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, गैस राहत कालोनी, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित दुकान क्रमांक-01 (भू तल) मण्डल द्वारा श्रीमती नफीस फातिमा पत्नी श्री हबीबुल हसन के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 11/08/2011 को पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति की लीज समयावधि दिनांक 24/10/2032 तक वैध है। श्रीमती नफीस फातिमा पत्नी श्री हबीबुल हसन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री शरीफ खान आत्मज श्री मोहम्मद अय्यूब को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय किया गया, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय में दिनांक 4/03/2026 को पंजीकृत किया गया है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री शरीफ खान आत्मज श्री मोहम्मद अय्यूब के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, गैस राहत कालोनी, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित दुकान क्रमांक-02 (भू तल) मण्डल द्वारा श्रीमती नफीस फातिमा पत्नी श्री हबीबुल हसन के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 11/08/2011 को पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति की लीज समयावधि दिनांक 24/10/2032 तक वैध है। श्रीमती नफीस फातिमा पत्नी श्री हबीबुल हसन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री शरीफ खान आत्मज श्री मोहम्मद अय्यूब को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय किया गया, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय में दिनांक 14/03/2026 को पंजीकृत किया गया है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री शरीफ खान आत्मज श्री मोहम्मद अय्यूब के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

जाहिर सूचना

विक्रय पत्र की मूल प्रति गुम जाने के सम्बन्ध में

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गुरमीत कौर पुत्री श्री गुरबचन सिंह, निवासी- 93, मालवीय नगर, भोपाल (म.प्र.) के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा क्रमांक-125/1/2 रकबा 0.283 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक-125/2/8/1/2 रकबा 0.075 हेक्टेयर, जो ग्राम रसूलिया जागीर, पटवारी हल्का नं. 38, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (मध्यप्रदेश), में स्थित है, जिसे श्री रजत सक्सेना आत्मज श्री के.एन. सक्सेना से क्रय कर विक्रय पत्र का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, भोपाल में दिनांक 29/03/2011 को पुस्तक क्रमांक अ-1, ग्रंथ 16843 के पृष्ठ 68-76 पर दस्तावेज क्रमांक 5606 (ग) पर अंकित है, जिसके विक्रय पत्र की मूल प्रति गुम हो गई है। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र की मूल प्रति गुमने के सम्बन्ध में लिखित रिपोर्ट थाना अरेरा हिल्स, भोपाल में दिनांक 28/03/2026 को दर्ज कराई गई है। मूल विक्रय पत्र का किसी प्रकार से दुरूपयोग नहीं किया गया है। यदि उक्त वर्णित सम्पत्ति का मूल विक्रय-पत्र किसी व्यक्ति, व्यक्तियों को मिलता है तो सूचना देने की कृपा करें। अतः आमजन को सूचनार्थ।

भवदीय **अंकिता द्विवेदी** एडवोकेट
द्विवेदी लॉ चेम्बर
कार्यालय :- 220, 213, बी.डी.ए. काम्पलेक्स, 7 नं. स्टाप, शिवाजी नगर, भोपाल. मो.नं. 9425968337

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन

हरिभूमि क्लासीफाइड संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करे:- मो.-99261-98299 (240)

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 7400556967 (10411)

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार**
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

R- 28,29,30/03/26

राशिफल

मेष – आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। नौकरी-व्यवसाय में नए अवसर आ सकते हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष – आर्थिक स्थिति आज मजबूत बनेगी। पुराने लंबित कार्य पूरे होने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन – कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा। सोच-समझकर महत्वपूर्ण निर्णय लें, जल्दबाजी से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क – आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्य में सावधानी बरतें, छोटी-छोटी गलतियों से बचें। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलेगा, जो आपको बल देगा।

सिंह – मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सिंह राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। नौकरी में लाभ के योग हैं। धन लाभ संभव है।

कन्या – मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेंगे। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

तुला – रिश्तों में मधुरता आएगी। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं। साझेदारी या पार्टनरशिप में सफलता मिलेगी। यात्रा संभव है, जो मनोरंजक साबित होगी।

वृश्चिक – शत्रुओं या विरोधियों से सावधान रहें। धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्य में सफलता मिलेगी, लेकिन मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

धनु – यात्रा के योग बन रहे हैं, जो फायदेमंद साबित हो सकती है। नए कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर – जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। बड़े फैसले सोच-समझकर लें।

कुंभ – नई योजनाएं आज सफल होंगी। आर्थिक लाभ संभव है। कार्य में प्रगति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन – मन शांत और प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। धन लाभ के योग हैं। यात्रा संभव है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

शब्द पहेली - 6179

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6178 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह	■	■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■	■	जा	प्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

सूडोकु नवताल - 6189

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6188 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

सिप+हिप+ टिप पैसा बनाने के साथ देते हैं लाइफ और सुरक्षा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस कमाई को सही दिशा में लगाना, सुरक्षित रखना और भविष्य के लिए बढ़ाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई, बढ़ते मेडिकल खर्च और जीवन की अनिश्चितताओं के बीच एक संतुलित वित्तीय योजना ही आपको मजबूत बना सकती है। यही कारण है कि 2026 में सिप, हिप और टिप का कॉम्बिनेशन स्मार्ट निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह तीनों मिलकर आपकी वेल्थ, हेल्थ और सिक्योरिटी तीनों को संतुलित करते हैं। इसलिए निवेशक इन्हें अपनाकर अपना भविष्य सरक्षित कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है तीनों का कॉम्बो?

- आज की आर्थिक परिस्थितियों में एक ही विकल्प पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।
- महंगाई लगातार बढ़ रही है
- हेल्थकेयर खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं
- जीवन में अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है
- ऐसे में एक ऐसा प्लान जरूरी है, जो हर स्थिति में आपका साथ दे। सिप, हिप और टिप का कॉम्बो आपकी आय को बढ़ाने, बचाने और सुरक्षित रखने का संतुलन बनाता है। यही एक समझदार निवेशक की पहचान भी है।

सिप: छोटे निवेश से बड़ा फंड का फॉर्मूला

सिटेमैटिक प्लान यानी सिप हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की रणनीति, जो समय के साथ बड़ा फंड तैयार करती है। इसमें आप 500 रुपये, 1000 रुपये या 5000 रुपये जैसी छोटी रकम से भी शुरुआत कर सकते हैं। सबसे बड़ी ताकत है "कंपाउंडिंग" यानी आपके पैसे पर भी पैसा बनना।

- लंबी अवधि में 10–12% तक रिटर्न की संभावना
- मार्केट के उतार-चढ़ाव का औसत असर
- अनुशासित निवेश की आदत
- जितना लंबा समय, उतना बड़ा फंड यही सिप की खासियत है। इसलिए इसे लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता है।

हिप : आपकी सेविंग्स का बॉडीगार्ड

हेल्ल्थ इंश्योरेंस प्लान यानी हिप को अक्सर लोग खर्च समझ लेते हैं, जबकि असल में यह आपकी बचत की सुरक्षा करता है। आज के दौर में एक गंभीर बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी कुछ ही दिनों में लाखों रुपये खर्च करा सकती है। ऐसे में अगर आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आपकी सालों की जमा पूंजी खत्म हो सकती है। ऐसे में हेल्ल्थ इंश्योरेंस आपकी संभाल करता है। इसलिए इसे लेना न भूलें। से अपातकालीन हालात में आपकी रक्षा करता है।

- अस्पताल का खर्च बीमा कंपनी उठाती है
- आपकी सेविंग्स और निवेश सुरक्षित रहते हैं
- मानसिक तनाव कम होता है
- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी सालाना आय के कम से कम 50% के बराबर हेल्थ कवर जरूर लेना चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है, तो कम से कम 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।

टिप : परिवार की आर्थिक सुरक्षा की ढाल

- टर्म इंश्योरेंश प्लान यानी आपके परिवार के लिए सबसे मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच माना जाता है। जीवन अनिश्चित है, और अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार पर आर्थिक संकट आ सकता है। ऐसे में टर्म इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सहारा देता है।
- कम प्रीमियम में बड़ा कवरेज
- परिवार के खर्च, बच्चों की पढ़ाई व लोन की सुरक्षा
- लंबी अवधि के लिए मानसिक शांति
- उदाहरण के तौर पर, 30 साल की उम्र में करीब 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान सालाना 10,000–12,000 रुपये में मिल सकता है। यह छोटी सी लागत आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

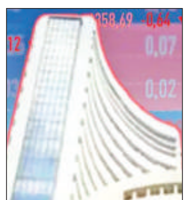

विशेषज्ञों की सलाह : हड़बड़ाहट में पैसा न निकालें, निवेश बनाएं रखें, एसआईपी में बढ़ा सकते हैं निवेश

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शांति व धैर्य जरूरी

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल, कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का कर रहे विचार

ऐसे समय में धैर्य खोना निवेशकों के लिए नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए संयम से काम लें और निवेश बनाएं रखें। लंबी अवधि में निवेश आपको फायदा देकर ही जाएगा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव का असर अब दुनियाभर के शेयर बाजारों पर साफ नजर आने लगा है। लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का विचार कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे समय में घबराने की बजाय संयम और समझदारी से काम लेना ही सबसे बेहतर रणनीति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के फंडामेंटल्स मजबूत हैं और लंबी अवधि के निवेशकों को आगे चलकर इसका फायदा मिल सकता है। निवेशक चाहें तो एसआईपी में निवेश बढ़ा सकते हैं, चूंकि लंबी अवधि में इसका लाभ मिलेगा। यह गिरावट कुछ समय के लिए हो सकती है। इसलिए लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर शांति और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि बाजार में गिरावट के दौरान जल्दबाजी में शेयर बेचना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वह केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक ट्रेंड है। दुनिया के कई बड़े बाजारों में 7% से 10% तक की गिरावट देखी जा रही है, जो असामान्य नहीं बल्कि बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। शेयर बाजार हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, और यही इसकी प्रकृति है।

लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी

विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है। लंबी अवधि का नजरिया। जब कोई निवेशक किसी कंपनी के शेयर खरीदता है, तो वह उस कंपनी के भविष्य में निवेश कर रहा होता है। ऐसे में रोजाना के उतार-चढ़ाव पर ध्यान देना जरूरी नहीं होता। अगर निवेशक 5 से 10 साल के दृष्टिकोण से निवेश करते हैं, तो बाजार के अस्थायी उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इतिहास भी यही बताता है कि लंबे समय तक बाजार में बने रहने वाले निवेशकों को अक्सर अच्छा लाभ मिला है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

- भले ही बाजार में अल्पकालिक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।
- देश की जीडीपी ग्रोथ दर स्थिर और सकारात्मक बनी हुई है
- महंगाई नियंत्रण में है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो रही है
- बिजली खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में तेजी है
- ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। यही कारण है कि लंबे समय में बाजार की दिशा सकारात्मक रहने की उम्मीद की जाती है।
- भारत का शेयर बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है। निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और नए आईपीओ की भरमार इस बात का संकेत है कि बाजार पर लोगों का भरोसा कायम है।

एसआईपी से अस्थिरता में अवसर

- बाजार की गिरावट को अक्सर लोग नकारात्मक रूप में देखते हैं, लेकिन समझदार निवेशक इसे अवसर के रूप में भी देखते हैं।
- सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करने वालों के लिए यह समय और भी फायदेमंद हो सकता है।
- गिरावट के समय कम कीमत पर यूनिट्स मिलती हैं
- औसत लागत कम होती है
- लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है
- विशेषज्ञों का मानना है कि जो निवेशक अपनी एसआईपी को जारी रखते हैं या उसमें बढ़ोतरी करते हैं, वे बाजार की अस्थिरता का लाभ उठा सकते हैं।

धैर्य और अनुशासन ही निवेश की असली ताकत

- शेयर बाजार में सफल होने के लिए केवल सही स्टॉक चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही व्यवहार और मानसिकता भी जरूरी होती है।
- हर गिरावट पर घबराना नुकसानदायक हो सकता है
- बार-बार खरीद-बिक्री से लागत बढ़ती है
- भावनात्मक फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं
- इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार योजना बनाएं और उसी पर टिके रहें।
- धैर्य और अनुशासन ही वे दो गुण हैं, जो लंबे समय में निवेशकों को सफलता दिलाते हैं।

वैश्विक संकट का असर

- वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता का माहौल है। युद्ध, आर्थिक नीतियों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं बाजार को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह भी सच है कि बाजार इन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े संकट के बाद बाजार ने वापसी की है और नए उच्च स्तर भी हासिल किए हैं। ऐसे में निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि मौजूदा गिरावट स्थायी नहीं है।

संयम रखें, रणनीति पर टिके रहें

- बाजार में उतार-चढ़ाव निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है
- घबराकर निवेश निकालना अक्सर नुकसानदायक होता है
- लंबी अवधि का नजरिया और अनुशासन जरूरी है
- एसआईपी जैसे विकल्प अस्थिरता में भी अवसर देते हैं
- निवेश एक लंबी यात्रा है, जिसमें धैर्य और समझदारी सबसे बड़े साथी होते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर अपनी रणनीति पर टिके रहना ही सही निर्णय साबित हो सकता है।

टैक्स बचाने और बचत सुरक्षित रखने की यह है मास्टर प्लानिंग

एजुकेशन लोन अब बोझ नहीं बन सकेगा स्मार्ट इन्वेस्टमेंट

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"अगली बार जब एजुकेशन लोन लेने का विचार आए, तो इसे बोझ नहीं, बल्कि अपने उज्जवल भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश मानें।

आज के समय में उच्च शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट या विदेश में पढ़ाई हर क्षेत्र में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुंच चुकी है। ऐसे में अधिकांश छात्र और अभिभावक एजुकेशन लोन को एक मजबूरी या बोझ के रूप में देखते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों की मानें, तो सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन एक लायबिलिटी नहीं, बल्कि एक मजबूत निवेश साबित हो सकता है, जो आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

एजुकेशन लोन का सबसे बड़ा फायदा टैक्स बचत के रूप में मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा सेक्शन 80ई के तहत, लोन पर चुकाए गए ब्याज पर पूरी तरह टैक्स छूट मिलती है। इसका मतलब यह है कि आप जितना ब्याज चुकाते हैं, उतनी ही आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। खास बात यह है कि इस छूट की कोई ऊपरी सीमा नहीं होती। यह सुविधा लोन चुकाना शुरू करने के बाद अधिकतम 8 वर्षों तक मिलती है।यानी आप पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी शुरू करते ही टैक्स बचत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे आपकी कुल वित्तीय योजना और मजबूत हो जाती है।

आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास

एजुकेशन लोन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनाता है। जब छात्र अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वे अपने करियर को लेकर अधिक गंभीर होते हैं और नौकरी मिलने के बाद अपने वित्तीय लक्ष्यों को लेकर सजग रहते हैं। यह अनुभव उन्हें जीवनभर काम आता है और आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है।

समझदारी से लिया गया कर्ज, भविष्य की ताकत

एजुकेशन लोन को केवल कर्ज के रूप में देखना एक अधूरी सोच है। सही रणनीति के साथ यह एक ऐसा वित्तीय टूल बन सकता है, जो न केवल आपकी शिक्षा का रास्ता आसान करता है, बल्कि टैक्स बचत, क्रेडिट स्कोर सुधार और निवेश सुरक्षा के जरिए आपके भविष्य को भी मजबूत बनाता है।

क्रेडिट स्कोर: मजबूत आर्थिक पहचान की शुरुआत

युवाओं के लिए एजुकेशन लोन सिर्फ पढ़ाई का जरिया नहीं, बल्कि उनके वित्तीय जीवन की पहली सीढ़ी भी होता है। जब कोई छात्र समय पर अपनी ईएमआई भरता है, तो उसका क्रेडिट स्कोर मजबूत होता है। यह स्कोर भविष्य में होम लोन, कार लोन या बिजनेस लोन लेने में बेहद अहम भूमिका निभाता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने से न केवल आसानी से लोन मिलता है, बल्कि कम ब्याज दर पर भी लोन मिल सकता है। इसके अलावा, खुद की पढ़ाई का खर्च उठाने से छात्रों में जिम्मेदारी और वित्तीय अनुशासन विकसित होता है, जो लंबे समय में उनके करियर और जीवन दोनों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

निवेश की सुरक्षा: बचत को बढ़ने का मौका

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की बचत जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट, पीएफ या रिटायरमेंट फंड तोड़ देते हैं। यह निर्णय भावनात्मक रूप से सही लग सकता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से हमेशा लाभकारी नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन बचतों को बाजार में निवेशित रहने दिया जाए, तो वे 12% से 15% तक का रिटर्न दे सकती हैं। वहीं, एजुकेशन लोन की ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम होती हैं और कई मामलों में सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। इस तरह लोन लेकर आप अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए उसे कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ने का मौका देते हैं। यह रणनीति लंबे समय में अधिक लाभदायक साबित हो सकती है।

सही योजना जरूरी

- लोन लेने से पहले कोर्स और उसके करियर स्कोप का आकलन करें
- ब्याज दर और शर्तों की तुलना करें
- समय पर ईएमआई चुकाने की योजना बनाएं
- अनावश्यक रूप से अधिक कर्ज लेने से बचें

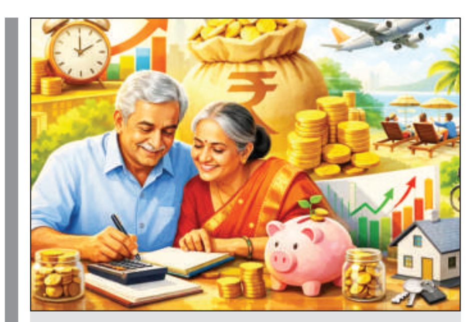

रिटायरमेंट के करीब हैं तो कर लें ये जरूरी काम

हर व्यक्ति की ख्वाहिश होती है कि वह रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी बिना तनाव और आर्थिक चिंता के सुकून से बिताए। लेकिन यह तभी संभव है, जब समय रहते सही वित्तीय योजना बनाई जाए। अक्सर लोग नौकरी के दौरान तो बचत और निवेश करते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बिल्कुल करीब आकर कई जरूरी पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आपकी रिटायरमेंट अब ज्यादा दूर नहीं है, तो यह समय बेहद अहम है। इस दौरान लिए गए सही फैसले आपके आने वाले जीवन को सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी वित्तीय काम, जिन्हें रिटायरमेंट से पहले जरूर पूरा कर लेना चाहिए।

1. कुल बचत और आय का सही आकलन करें

रिटायरमेंट के करीब पहुंचते ही सबसे पहले अपनी वित्तीय स्थिति का स्पष्ट आकलन करना जरूरी है। इसमें आपकी सेविंग्स, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य निवेश शामिल होने चाहिए। इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों के खर्च का विश्लेषण करें और यह समझें कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मासिक जरूरतें कितनी होंगी। महंगाई को ध्यान में रखते हुए भविष्य के खर्च का अनुमान लगाना भी बेहद जरूरी है।

2. गैर-जरूरी खर्चों पर लगाएं लगाम

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सीमित हो जाती है, इसलिए खर्चों पर नियंत्रण बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में अपनी वर्तमान जीवनशैली का मूल्यांकन करें और फिजूल खर्चों को कम करने की आदत डालें। इसके अलावा, रिटायरमेंट के बाद नए कर्ज लेने से बचें। क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग भी भविष्य में आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने सभी पुराने कर्ज समय रहते खत्म कर लें, ताकि रिटायरमेंट के बाद किसी तरह की वित्तीय बाधा न आए।

3. निवेश को विविध बनाएं

एक ही जगह निवेश करना हमेशा जोखिम भरा होता है। इसलिए अपनी बचत को अलग-अलग निवेश विकल्पों में बांटना समझदारी भरा कदम है। रिटायरमेंट से पहले आप अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बदलाव करें। सुरक्षित विकल्पों जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट, पेंशन स्कीम या सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम में निवेश बढ़ाया जा सकता है, जबकि कुछ हिस्सा ऐसे निवेश में रखें जो महंगाई को मात दे सके। विविध निवेश से जोखिम कम होता है और रिटर्न संतुलित रहता है।

4. हेल्थ प्लान और मेडिकल फंड तैयार रखें

रिटायरमेंट के बाद स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाता है। उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च भी तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए एक मजबूत हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होना बेहद जरूरी है। यदि आपके पास पहले से हेल्थ इंश्योरेंस है, तो उसकी कवरेज की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बढ़ाएं। इसके साथ ही एक अलग इमरजेंसी मेडिकल फंड बनाना भी समझदारी है, ताकि अचानक आने वाले खर्चों से आपकी बचत पर ज्यादा असर न पड़े।

5. पैसे निकालने की रणनीति बनाएं

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है। बचत को लंबे समय तक कैसे चलाया जाए। इसके लिए पहले से ही एक स्पष्ट रणनीति बनाना जरूरी है। आपको यह तय करना चाहिए कि हर महीने कितनी राशि निकालनी है, किन निवेशों से पैसे निकालने हैं और किन्हें लंबे समय तक बने रहने देना है। सिस्टमेटिक विड्रॉल प्लान जैसे विकल्प इस मामले में मददगार हो सकते हैं। सही योजना के साथ आप अपने फंड को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं और नियमित आय का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

उठापटक वाले बाजार में मल्टी एसेट फंड है बेहतर विकल्प

एक ही एसआईपी से स्टॉक्स, गोल्ड व बॉन्ड में निवेश

पश्चिम एशिया में जारी जंग को एक माह हो गया है। इस दौरान बाजार में उठा-पटक जोरदार है। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। बाजार दवाब में हैं। सोना और चांदी पहले चमके, फिर गिरे। बॉन्ड्स ने कुछ राहत दी है और जो निवेशक सिर्फ एक जगह पैसा लगाए बैठे थे, वो सबसे ज्यादा नुकसान में हैं। यही वो वक्त है जब एक पुरानी बात फिर साबित होती है कि किसी एक एसेट पर निर्भर नहीं रहना चाहिए फिर चाहे वो इक्विटी हो, डेट हो या सोना, लेकिन एक व्यक्ति कहां-कहां निवेश करे? आम निवेशक के पास क्या विकल्प हैं? इसलिए एक ऐसा निवेश का ऑप्शन आपकी सभी जरूरतों को पूरा कर सकता है। आप बस हर महीने पैसा डालते रहो और आपका पैसा हर जगह निवेश होता रहेगा। फिर शेयर हो या सोना। एसेट अलोकेशन का मतलब होता है कि आप अपना पैसा कहां-कहां डाल रहे हैं और इसका सबसे आसान रास्ता है मल्टी एसेट्स एलोकेशन फंड। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों, राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक महंगाई के दबाव को देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) अशांत समय में जोखिम को कम करने में मदद करता है।

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष, वैश्विक महंगाई का दबाव और राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। इनको देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति अपनानी चाहिए। । ऐसे माहौल में मल्टी-एसेट फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं, क्योंकि ये इक्विटी, डेट, कमोडिटी और कीमती धातुओं में निवेश का अवसर देते हैं।

मल्टी-एसेट फंड ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग, प्रोफेशनल मैनेजमेंट और डायनेमिक एसेट एलोकेशन प्रदान करते हैं, जो खासतौर पर अधिक अस्थिरता के समय में उपयोगी होता है। साथ ही यह समय अत्यधिक आक्रामक होने का नहीं है, बल्कि एक संतुलित और विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने का है, जो झटकों को सह सके और संभावित बढ़त में भी भाग ले सके।

केवल फंड स्तर पर विविधीकरण सही नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार पिछले दिनों वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। चांदी को औद्योगिक मांग और कीमती धातु के रूप में उसकी पारंपरिक भूमिका दोनों का लाभ मिला है, जबकि इक्विटी बाजार उच्च विदेशी निवेश (एफआईआई इनफ्लो), मजबूत आय संभावनाओं और मैक्रो स्थिरता के कारण अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इन सकारात्मक रुझानों के कारण इस श्रेणी ने निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन, अब हालात बदल चुके हैं। सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में एक ही श्रेणी के निवेशक काफी दिक्कत में आ चुके हैं। इसके लिए अगर आपने अलग-अलग एसेट में निवेश किया होता तो बेहतर रहता। हालांकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि केवल फंड स्तर पर विविधीकरण करना सही नहीं है, क्योंकि जरूरत पड़ने पर विभिन्न एसेट क्लास के बीच पुनः आवंटन करना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 29 मल्टी-एसेट फंड्स में से अधिकांश फंड्स में 65% से अधिक निवेश इक्विटी में, 25% डेट में और 10% अन्य (जैसे सोना/कमोडिटी) में होता है। डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक अपवाद है, जिसमें लगभग 88% निवेश 'अन्य' श्रेणी में है। अधिकांश योजनाओं में एक जैसी संरचना होने से विविधीकरण और लचीलापन दोनों सीमित हो जाते हैं। चूंकि इक्विटी हिस्सा अक्सर लार्ज-कैप शेयरों में केंद्रित होता है, इसलिए कई बार ऐसे फंड्स में निवेश करने पर भी पर्याप्त विविधीकरण नहीं मिल पाता। वे सलाह देते हैं कि सिर्फ मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स पर निर्भर रहने के बजाय निवेशकों को अपने पूरे पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट एलोकेशन तय करना चाहिए।

फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी विकल्प

इसके बावजूद मल्टी-एसेट फंड्स में निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। मध्यम जोखिम प्रोफाइल वाले नए निवेशकों के लिए मल्टी-एसेट फंड्स के साथ फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी एक अच्छा विकल्प है। पिछले एक वर्ष में 24 मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में से 8 ने दो अंकों (डबल डिजिट) का रिटर्न दिया, 14 ने एक अंक (सिंगल डिजिट) का रिटर्न दिया, जबकि 2 फंड्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया। कई बार मल्टी-एसेट फंड्स पूर्व-निर्धारित एलोकेशन संरचना के कारण हर एसेट की पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते। ये फंड्स अभी भी इक्विटी पर अधिक निर्भर रहते हैं और इक्विटी फंड्स से बहुत अलग नहीं हैं। यदि निवेशक पहले से ही अपने पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट मिक्स तय कर रहे हैं, तो मल्टी-एसेट फंड जोड़ने से अनावश्यक दोहराव या एक ही एसेट में अधिक निवेश (कंसंट्रेशन) हो सकता है, खासकर जब फंड इक्विटी की ओर झुका हुआ हो। एसे निवेशकों को मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स से बचने पर विचार करना चाहिए और अपनी वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम प्रोफाइल के अनुसार इक्विटी और डेट में अलग-अलग निवेश करना चाहिए। इससे बेहतर रिटर्न, दीर्घकालिक वृद्धि और संपत्ति निर्माण की आदर्श रणनीति बन सकती है। जबकि नए व आम निवेशकों के लिए मल्टी एसेट फंड एक बेहतर विकल्प रहता है। भले ही कुछ परिस्थितयों में इसमें रिटर्न कम हो सकता है, लेकिन जोखिम घटाने के लिए यह बेहतर विकल्प है। हाल के आंकड़े गवाह हैं कि इस फंड ने अनेक मामलों में बेहतर रिटर्न भी दिया है। इसके बावजूद निवेश हमेशा अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर ही करना चाहिए।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार

में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असुंष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।

विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिसवा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है।

बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण

भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।

है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर

युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।

रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

बंगाल में ममता सरकार के खिलाफ गृहमंत्री शाह ने चार्जशीट पेश की

15 साल के शासन का 'अराजकता और भ्रष्टाचार का युग' होगा खत्म, यह चुनाव भय से मुक्ति दिलाएगा, घुसपैठिए बाहर होंगे

भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव है

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक आरोप पत्र 'चार्जशीट' जारी की है। इसके जरिए शाह ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 साल के शासन को 'अराजकता और भ्रष्टाचार का युग' बताया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव है।

शाह ने बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की सुरक्षा बंगाल के चुनावी नतीजों से अटूट रूप से जुड़ी हुई है।अगर बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना है, तो यहां सत्ता परिवर्तन अनिवार्य है। शाह ने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए सीमावर्ती इलाकों में डेमोग्राफी के साथ खिलवाड़ होने दिया।

यह 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन

शाह ने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं।

कभी सिर पर पट्टी तो कभी फ्रेक्चर... 'विक्टिम कार्ड' की पॉलिटिक्स जनता समझ चुकी

ममता सरकार के खिलाफ चार्जशीट पेश करते गृहमंत्री शाह

तंज कसते हुए शाह ने कहा कि ममता ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं, लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

'सोनार बांग्ला' का विफल वादा

शाह ने टीएमसी पर 'सोनार बांग्ला' का सपना दिखाकर जनता का शोषण करने का आरोप लगाया। यह उद्योगों के लिए कब्रिस्तान'बन गया है।

बंगाल से घुसपैठिए भारत में प्रवेश कर रहे

शाह ने कहा कि बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां से घुसपैठिए भारत में प्रवेश कर रहे हैं और पूरे देश में अशांति पैदा कर रहे हैं। घुसपैठ ष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता की बात है। 15 वर्षों से बंगाल में डर, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति जारी है। 'आरोपपत्र' में टीएमसी के कुशासन, सिंडिकेट राज और इस पर प्रकाश डाला गया है। यहां भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला में बदल दिया है।

सुवेंदु की भूमिका की सराहना की

शाह ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की भी जमकर तारीफ की। चुनावों से पहले अधिकारी ने पूरे बंगाल का सघन दौरा किया है।

असम में भाजपा का रोड शो

90 सीटें जीतकर बनाएंगे सरकार

भाजपा इस समय असम पर पूरा जोर लगा रही है। गृहमंत्री शाह ने शनिवार को असम चुनाव के मद्देनजर गुवाहाटी में रोड शो किया। असम में भाजपा ने कई बड़े चेहरों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह के साथ भाजपा के प्रचार वाहन पर पार्टी के नेता प्रद्युत बोरदोलोई भी साथ दिखे। उन्होंने कहा कि हम तीसरी बार भारी बहुमत से असम में सरकार बनाने जा रहे हैं। असम की जनता भाजपा और एनडीए की सरकार बनाने के लिए उत्सुक है। हम 90 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएंगे।

केरल कांग्रेस का दावा

विजयन का आत्मविश्वास फर्जी राज्य में एंटी-इंकबेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने केरल की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीएम पिनाराई विजयन के सत्ता में वापसी के दावे को फर्जी आत्मविश्वास करार देते हुए कहा कि राज्य में मजबूत एंटी-इंकबेंसी है।

आचार संहिता के उल्लंघन में कन्नूर के सूचना अधिकारी निलंबित

केरल के कन्नूर जिले में शनिवार को एक सूचना अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई आचार संहिता लागू होने के दौरान लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की एक शिकायत से जुड़ी विवादास्पद प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के मामले में हुई है। जिला सूचना कार्यालय के एक अधिकारी ने इसे जारी किया था। इस मामले ने केरल में सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है।

कांग्रेस नेता सतीशन पर आरएसएस से मदद लेने का आरोप

केरल की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। संघ परिवार से जुड़े नेता आरवी बाबू ने यूडीएफ चेयरमैन वीडी सतीशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सतीशन ने 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आरएसएस से समर्थन मांगा था।

बीरभूम के लावपुर में अभिषेक की सभा के बाद पंडाल में लगी आग

टीएमसी महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने शनिवार को बीरभूम के लवपुर में पार्टी उम्मीदवार अभिजीत सिन्हा के समर्थन में एक जनसभा आयोजित की। सभा समाप्त होने के कुछ ही समय बाद मंच पर आग लग गई।

बंगाल चुनाव

ईसीआई ने पुलिस को 10 दिन में सभी वारंट लागू करने का दिया निर्देश

चुनाव आयोग ने बंगाल और कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया है कि वे राज्य में सभी लंबित गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंटों को 10 दिन के भीतर लागू करें। इस अवधि के अंदर जिन व्यक्तियों के खिलाफ ऐसे वारंट जारी किए गए हैं।

स्टालिन का ऐलान

234 में 164 सीटों पर लड़ेगी पार्टी

मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने गठबंधन सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे का एलान कर दिया है।234 विधानसभा सीटों में से डीएमके खुद 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस को 28 , डीएमडीके को 10, अन्य सहयोगियों में वीसीके को 8, सीपीआई और सीपीआई-एम को 5-5 सीटें दी हैं।

पारदर्शिता नहीं: ज्योतिमणि

कांग्रेस सांसद एस. ज्योतिमणि (करूर) ने तमिलनाडु में अप्रैल 23 को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए डीएमके गठबंधन में सीट चयन प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में कुल पारदर्शिता की कमी है।

चार्जशीट पर टीएमसी का आरोप-पत्र से पलटवार

'आरोप-पत्र' पर टीएमसी ने पलटवार करते हुए कहा कि यह भाजपा द्वारा जारी 'चार्जशीट' उन्हीं के खिलाफ है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए। मणिपुर में जातीय हिंसा, बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की बात कही।

खबर संक्षेप

तत्कालीन डीआईजी पर हमला, 16 को उम्रकैद

मुरादाबाद। यहां के बहुचर्चित 15 साल पुराने मैनाठेर कांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन डीआईजी पर जानलेवा हमले में दोषी करार दिए गए 16 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शनिवार को एडीजे-दो कृष्ण कुमार की अदालत ने यह आदेश दिया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

आरजीआईटी यूनिवर्सिटी फर्जी, डिग्री अमान्य

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने शनिवार को देशभर में चल रही फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में एक यूनिवर्सिटी का नाम और जोड़ दिया। यूजीसी ने राजस्थान के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट संस्थान को नकली यूनिवर्सिटी की लिस्ट में डाल दिया है। यह अलवर में है। यूजीसी ने नोटिफिकेशन दिया है।

राम मंदिर में 2 अप्रैल को ध्वजारोहण करेंगे 'बजरंगी'

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर के परकोटा स्थित हनुमान मंदिर में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इसकी अगुवाई 'बजरंगी' के नाम से विख्यात विनय कटियार करेंगे। सभी पूर्व संयोजक, 50 साधु-संत व 200 मेहमान होंगे।

नबीन व नीतीश 10 को लेंगे राज्यसभा की शपथ

नई दिल्ली। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ लेंगे। शिवेश राम, रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा भी शपथ लेंगे। चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को 30 मार्च तक बिहार विधानमंडल की सदस्यता छोड़नी होगी।

पीएम मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया

यूपी अब सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बना, हर 2 मिनट में उड़ेंगे विमान

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए शनिवार बेहद खास रहा, क्योंकि उन्हें जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात मिल गई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया है। ये हवाई अड्डा चार चरणों में पूरा होगा और इसे पूरा होने में लगभग 2050 तक का समय लग सकता है।

देशवासियों के सहयोग की सराहना की

एजेंसी ▶▶ नोएडा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने ही रखी थी। लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट(5) वाले राज्यों में से एक है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। जिसमें पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।

मैंने ही किया था शिलान्यास और अब यह सौभाग्य भी मुझे मिला

यह एशिया का सबसे बड़ा, दुनिया का चौथा बड़ा एयरपोर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉडल को देखा

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है।

सपा और कांग्रेस पर बोला हमला 10 वर्ष फाइलों में दबा रहा अड्डा

पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। आज यह आपके सामने है।

पहले सत्ताधारी यहां आने से डरते थे

पीएम ने कह कि नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी, मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई।

पश्चिम एशिया संकट के बीच लोगों से की अपील

पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को लेकर कहा, 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और वैश्विक संकट का एकजुट होकर सामना करें। हमें शांत मन से, धैर्य और एकजुटता के साथ मिल-जुलकर इस संकट का सामना करना है। यह पूरे विश्व में परेशानी पैदा करने वाला संकट है, हमें अपने देश की सबसे ज्यादा चिंता करनी है और यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है।

सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही

पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है।

मंत्री खट्टर, पुरी व जोशी ने रखे विचार

50 लाख पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा

आवश्यक सेवाओं के रखरखाव व पीएनजी के विस्तार पर 'गोलमेज'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शहरी क्षेत्रों में 'पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) सेवाओं का विस्तार और आवश्यक सेवाओं का रखरखाव' विषय पर शनिवार को विज्ञान भवन में गोलमेज समीक्षा बैठक हुई। इस सम्मेलन के दौरान 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला। बैठक में प्रमुख हितधारकों को शहरी भारत में पीएनजी नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने और आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एक साथ लाया गया। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने आर्थिक विकास के इंजन के रूप में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और पीएनजी के विस्तार को गति देने के लिए मिशन-मोड कार्यान्वयन का आह्वान किया।

कुशल सेवा वितरण पर जोर

मंत्रालय के सचिव ने बढ़ती शहरी ऊर्जा मांग पर प्रकाश डाला और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच के विस्तार के साथ कुशल सेवा वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई विस्तृत प्रस्तुति में पीएनजी में चल रहे नेटवर्क विस्तार का विवरण दिया गया, जिसमें सुरक्षा, विश्वसनीयता, सामर्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में एलपीजी की तुलना में इसके लाभों पर जोर रहा।

कई राज्यों के मंत्री उपस्थित रहे

इस बैठक में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), और उपभोक्ता मामले एवं खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (एमओसीएपीडी) के केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ सचिवों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य मंत्रियों, शहरी विकास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों के राज्य सचिवों, नगर आयुक्तों, गेल और इंडियन ऑयल के सीएमडी और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ओडिशा में दर्दनाक हादसा

नयागढ़ में पर्यटक बस पलटी 5 यात्रियों की मौत, 10 जख्मी

एजेंसी ▶▶ नयागढ़

ओडिशा में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे और तेज तूफान ने मिलकर तबाही मचा दी। नयागढ़ जिले में एक टूरिस्ट बस के पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। मयूरभंज और पुरी जिलों में आए तेज आंधी-तूफान के कारण तीन लोगों की जान चली गई।

तेज रफ्तार बनी वजह

यह हादसा रात करीब 2 बजे हनुमान घाटी रोड पर दासपल्ला इलाके में हुआ, जब 55 यात्रियों से भरी बस मोड़ लेते समय पलट गई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मृतकों की पहचान हरी पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति और चालक प्रवीण कुमार साहू के रूप में हुई है, जो सभी बरहामपुर के निवासी थे। घायलों को तुरंत बचाव दल ने बाहर निकालकर दासपल्ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

दुष्कर्म में मदद के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

मददगार महिला को 10 साल का सश्रम कारावास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुष्कर्म में सहायता करने के आरोप में एक महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा में नरमी न बरतने का मुख्य कारण आपराधिक गतिविधियों में उसकी निरंतर संलिप्तता को बताया है। महिला के बरी के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पुलिस की अपील याचिका पर कोर्ट ने माना कि दोषी ने अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने पाया कि उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और दुष्कर्म के दौरान वहां मौजूद रही।

पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और मौजूद रही

70,000 का जुर्माना भी लगाया

अदालत ने महिला को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई और 70,000 का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि पीड़िता को जुर्माना राशि में से 50,000 हजार मुआवजा के रूप में दिया जाए।

कोर्ट ने यह भी कहा

दोषी ने इस आधार पर नरमी बरतने की अपील की कि उसे लंबे समय तक चले मुकदमे का सामना करना पड़ा और वह लगभग नौ महीने तक हिरासत में रही। उसका एक 5वर्षीय बच्चा है जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। अदालत ने कहा कि अपराध के बाद भी दोषी का रवैये में सुधरा हुआ नहीं दिखा है। महिला इसके बाद भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है। महिला के खिलाफ हत्या के मामले में भी प्राथमिकी हुई थी और वह न्यायिक हिरासत में है।इससे पता चलता है कि एक घटना के बाद भी महिला आपराधिक वारदातों में शामिल रही।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट को कड़े निर्देश जारी किए

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर न हो

सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।

ईरानी राष्ट्रपति ने पहले दी खाड़ी देशों को चेतावनी

कहा, अमेरिका को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकें, फिर दनादन बरसा दी मिसाइलें

मसूद पेजेश्कियान

ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें

ईरान की धमकी- हम पर हुए हर हमले का कड़ा जवाब देंगे, पड़ोसी देश तैयार रहें

ट्रंप का दावा, ईरान इस समय भारी दबाव में और समझौता करने के लिए तैयार है

ईरान की जवाबी कार्रवाई से खाड़ी देशों के लोगों में दहशत का माहौल

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

ईरान-इजराइल युद्ध के शनिवार को 29 दिन पूरे हो गए। ईरान जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के मित्र खाड़ी देशों को भी निशाना बना रहा है। इसको लेकर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अपने पड़ोसी देशों को संदेश देते हुए कहा कि यदि वे विकास और शांति चाहते हैं तो अमेरिका को अपनी जमीन इस्तेमाल करने से रोकना चाहिए।

बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना न बनाएं

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि मैंने कई बार कहा है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों से ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें। बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका खाड़ी देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुवैत, कतर व अन्य देशों में स्थित अपने सैन्य ठिकानों का उपयोग ईरान पर हमले करने के लिए कर रहा है, इसलिए तेहरान भी जवाबी कार्रवाई में इन देशों पर हमले कर रहा है, जिससे उन देशों में भी लोगों में दहशत का माहौल है।

ईरान का अबू धाबी में मिसाइल से हमला

अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन पर ईरान का मिसाइल हमला

मिसाइल इंटरसेप्ट के बाद गिरे मलबे से 5 भारतीय घायल

अबू धाबी में मिसाइल का मलबा

शनिवार को अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन (केईजेडएडी) के पास ईरान की ओर से एक बैलिस्टिक मिसाइल हमला हुआ। अबू धाबी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक बैलिस्टिक मिसाइल हमारी तरफ दागी हुई थी, जिसे हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलतापूर्वक रोक लिया। इसके कारण मिसाइल में आग लग गई, मिसाइल के गिरे मलबे की चपेट में आने से पांच भारतीय मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और अफवाहें या बिना पुष्टि वाली जानकारी फैलाने से बचें।

वॉशिंगटन में 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट, सड़कों पर ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे लाखों लोग

शनिवार को अमेरिका की सड़कों पर 'नो किंग्स' का शोर सुनाई दिया। 90 लाख से ज्यादा लोग विद्रोह पर उतर आए, जिनका संदेश साफ है कि अमेरिका को 'राजा' नहीं, राष्ट्रपति चाहिए। ट्रंप को काम करने के तरीकों को लोग 'तानाशाही' का नाम दे रहे हैं। आयोजकों का दावा है कि अमेरिका के इतिहास में शायद ही कभी इतनी बड़ी भीड़ एक साथ सड़कों पर उतरी हो। पूरे देश में 3,100 से ज्यादा कार्यक्रम हुए और हर छोटे-बड़े शहर में ट्रंप के खिलाफ गुस्सा फूट रहा है। लोग कह रहे हैं कि ट्रंप ने देश को युद्ध की आग में धकेल दिया है और वो अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। शिकागो से लेकर डेट्रायट तक, सड़कों पर सिर्फ एक ही नारा है, 'जब अन्याय कानून बन जाए, तो बगावत करना फर्ज है।'

पाक पीएम ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

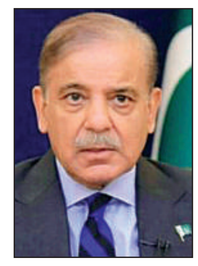

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से फोन पर चर्चा की। शहबाज शरीफ ने ईरान के नागरिक ठिकानों पर हो रहे इजराइली हमलों की कड़ी निंदा करते हुए ईरानी जनता के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने हमलों में हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ लगातार राजनयिक प्रयास कर रहा है।

थाईलैंड ने ईरान से किया समझौता

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश थाईलैंड के पीएम ने कहा कि थाईलैंड ने ईरान के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत थाई तेल जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रूप से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को हमले से नहीं हुआ नुकसान

ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार देर रात बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए हमले से कोई विकिरण रिसाव या रिएक्टर को नुकसान नहीं हुआ। संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा था और उसे कोई तकनीकी या संरचनात्मक क्षति नहीं हुई थी।

विदेश मंत्रालय बोला- ट्रंप-मोदी की बातचीत में तीसरा नहीं

विदेश मंत्रालय ने एलन मस्क से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए कहा कि 24 मार्च को हुई टेलीफोन बातचीत केवल पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ही हुई थी। कॉल में कोई तीसरा शामिल नहीं था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर दोनों नेताओं के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दरअसल यह खबरें चल रही थी कि इस बातचीत में दिग्गज उद्यमी एलन मस्क भी जुड़े थे।

ईरान ने जारी रखे हमले

कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कई ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैत की सरकारी समाचार एजेंसी ने सिविल एविएशन के हवाले से यह जानकारी दी है। हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन एयरपोर्ट के रडार सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है। ओमान की खाड़ी के पास ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने एक अमेरिकी जहाज पर हमला किया है।

ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन हमला

ओमान के दक्षिणी प्रांत की राजधानी सलालाह के बंदरगाह पर ड्रोन हमला हुआ है, जिसमें एक विदेशी कर्मचारी घायल हो गया। दो ड्रोन ने पोर्ट को निशाना बनाया। इस हमले में एक व्यक्ति को मध्यम चोटें आईं, जबकि बंदरगाह पर मौजूद एक क्रेन को भी मामूली नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के बाद इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है।

सऊदी में 10 अमेरिकी सैनिक घायल

सऊदी अरब में स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। हमले में कई अमेरिकी ईंधन भरने वाले विमान भी क्षतिग्रस्त हुए। सैटेलाइट तस्वीरों में विमान को हुए नुकसान के निशान दिखाई दिए हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से घायल अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 300 से अधिक हो गई है। शुक्रवार को अमेरिकी सेना ने कहा था कि लगभग 300 घायल कर्मियों में से 273 पहले ही ड्यूटी पर लौट चुके हैं। इस संघर्ष में अब तक 13 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

दुबई पर हमला

ईरान ने शनिवार को दावा किया कि उसने दुबई में अमेरिकी सेना के दो छुपने के ठिकानों पर हमला किया है। हजरत खातम अल-अनबिया के केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि इन छुपने के ठिकानों में 500 से अधिक अमेरिकी सेना के जवान थे, जिनमें से लगभग 400 पहले ठिकाने में और 100 दूसरे ठिकाने में थे। आईआरजीसी ने इन स्थानों की पहचान की और सटीक मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे भारी नुकसान हुआ।

इजराइल पर दागी मिसाइल, एक की मौत

इजराइल के मध्य हिस्से पर शुक्रवार देर रात ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह दिनभर में ईरान का छठा हमला था। मिसाइल में क्लस्टर बम वारहेड था। इससे कई छोटे बम बड़े इलाके में फैल गए। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत तब हुई जब वह बम शेल्टर में नहीं था। वहीं, एक रिहायशी इमारत पर गिरे सबम्यूनिशन से दो लोग घायल हुए। फायर सर्विस ने छह जगहों पर असर की पुष्टि की। दक्षिणी इजराइल के कुसैफा इलाके में भी मिसाइल के टुकड़ों से दो लोग घायल हुए।

इजराइल दे रहा जवाब

तेहरान की यूनिवर्सिटी पर हमला

ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजराइल की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार तड़के हमला किया। हालांकि अब तक नुकसान या हताहतों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

लेबनान में इजराइली हमले में 2 की मौत, 21 घायल

दक्षिणी लेबनान के कफर तबनित इलाके में इजराइल के हमले में एक नर्स की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। यह हमला सिविल डिफेंस की एंबुलेंस को निशाना बनाकर किया गया। इस घटना को युद्ध के नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। एक अन्य घटना में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के सराफंद शहर पर हमला किया जो सिडोन जिले में स्थित है। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 17 लोग घायल हो गए हैं।

3 फिलिस्तीनी की मौत

पश्चिमी तट में इजराइली सेना के हमले में 3 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। इनमें 15 साल के अदहम दहमान की मौत हो गई। वह हमले में घायल हो गया था।

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर ड्रोन हमला, 5 की मौत

कीव। रूस ने बीती रात यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए एक साथ 273 ड्रोन दागे। इस हमले में 5 लोगों की मौत हुई है। यह रूस की ओर से किया गया इस साल का सबसे बड़ा हमला था। हमले का सबसे ज्यादा असर ओडेसा में देखने को मिला। रूसी ड्रोन ने एक मैटरनिटी हॉस्पिटल और निजी घरों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुख जताते हुए कहा कि इन हमलों का कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था।

शोपियां में सीआरपीएफ जवान की मृत्यु

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की संदिग्ध रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद शनिवार सुबह शोपियां स्थित जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) शिविर में बेहोश पाए गए। उन्होंने बताया कि जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मिसिसिपी में ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया।

जी7 समिट में वैश्विक नेताओं से विदेश मंत्री जयशंकर की मुलाकात

फ्रांस के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और भविष्य के रोडमैप पर किया मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विश्व की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्थाओं वाले देश के समूह 'जी7' की विदेश मंत्रियों की बैठक इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फ्रांस में हुई इस बैठक के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई है। भारतीय विदेश मंत्री की विशेष मुलाकात ने दोनों देशों के बीच भविष्य के सामरिक रोडमैप की झलक भी पेश की है। बैठक की शुरुआत में जयशंकर ने राष्ट्रपति मैक्रों को पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं और मित्रता का संदेश दिया।

राष्ट्रपति मैक्रों को पीएम मोदी का शुभकामना संदेश दिया

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के संग बैठक करते जयशंकर

जी7 में भारत विशेष भागीदार के रूप में आमंत्रित

हालांकि, भारत जी7 का पूर्ण सदस्य नहीं है, लेकिन फ्रांस की ओर से विशेष भागीदार के रूप में भारत को आमंत्रित किया जाना यह बताता है कि आज के दौर में भारत के बिना वैश्विक समाधान संभव नहीं हैं। इस सम्मेलन के दौरान लाल सागर और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में समुद्री सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं जताई गईं। रक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष और संस्कृति तक, भारत और फ्रांस एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं। जयशंकर ने फ्रांस में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र का दौरा किया। जयशंकर ने अपनी इस यात्रा को भारत के 'विश्व बंधु' वाले दृष्टिकोण को मजबूती देने वाला बताया है।

वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

एस. जयशंकर ने मुलाकात के बाद कहा कि मैक्रों के साथ विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा से जो 'इनसाइट्स' यानी अंतर्दृष्टि मिली है, वह काफी मूल्यवान है। जानकारों का मानना है कि इस बातचीत में न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, बल्कि पश्चिम एशिया और यूरोप के बदलते समीकरणों पर भी विस्तार से मंथन हुआ है।

कनाडा की विदेश मंत्री से मिले

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ अहम बैठक की। दोनों नेताओं की यह बैठक जी7 की बैठक से अलग हुई। कनाडा की विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर साझा एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएम कार्नी के भारत दौरे पर आगे बढ़ाई गई साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।

खनिज, कृषि और शिक्षा पर चर्चा

आनंद ने कहा कि बैठक में व्यापार, पश्चिम एशिया की स्थिति और दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करने पर बात हुई। साथ ही प्रमुख क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण खनिज, कृषि और शिक्षा पर भी चर्चा हुई। दो दिवसीय जी-7 बैठक में जयशंकर पश्चिम एशिया संकट पर विशेष ध्यान देते हुए इस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे।

अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों पर कसा शिकंजा

एनआईए हेडक्वार्टर में होगी सुनवाई पटियाला हाउस कोर्ट ने दी 'इजाजत'

मामला संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरे प्रभाव हो सकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के राज्यों में अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ चल रही जांच में बड़ा मोड़ आया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका को मंजूरी दे दी। दरअसल, एनआईए ने इस मामले को एनआईए मुख्यालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी। एनआईए ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया। एनआईए ने कोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला संवेदनशील है। इसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। एजेंसी ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अनुरोध किया था कि आरोपियों को सार्वजनिक अदालत में पेश करने के बजाए, जज खुद एनआईए मुख्यालय में सुनवाई करें। कोर्ट ने परिस्थितियों को समझते हुए आदेश दिया कि भविष्य की सभी सुनवाई अब वहीं होंगी।

पटियाला हाउस कोर्ट

7 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

इस मामले में कुल 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और पेट्रो हुबरा, तारास स्लीव्याक, इवान सुकमानोव्स्की, मारियन स्टेफनकिव, मक्सिम होंचारुक और विक्टर कामिंस्की सहित छह यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। वैनडाइक को कोलकाता से पकड़ा गया था, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी दिल्ली और लखनऊ से हुई थी। ये सभी आरोपी टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। ये लोग अवैध रूप से मिजोरम के रास्ते म्यांमार की सीमा में घुसे और वहां के उग्रवादियों के संपर्क में आए। इन्होंने वहां उग्रवादियों को अत्याधुनिक हथियार चलाने और घातक ड्रोन ऑपरेशन्स की ट्रेनिंग दी। इन पर यूरोप से ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग मशीन मंगाकर उग्रवादियों तक पहुंचाने का भी संगीन आरोप है।

डब्ल्यूटीओ में पीयूष गोयल की दो टूक

उत्पादक क्षमता और रोजगार बढ़ाने के समान रूप से सबको मिलें अवसर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जोर देकर कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चल रही चर्चाओं में उरुग्वे राउंड से उत्पन्न असंतुलन को दूर करना आवश्यक है। पीयूष गोयल कैमरून के याउंदे में 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी 14) में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को उत्पादक क्षमता बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और वैश्विक व्यापार में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करे कि नवाचार, विकास और

अवसर सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच समान रूप से साझा हों। उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक ढंग से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार में केंद्रीय भूमिका निभाता रहे। इस सम्मेलन के इतर उन्होंने यूएस ट्रेड के प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर, कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और न्यूज़ीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्कले से मुलाकात की।

सिंधु जल संधि के निलंबन बाद सरकार ने उठाए बड़े कदम

जम्मू-कश्मीर में 46% बढ़ेगी हाइड्रो पावर क्षमता, परियोजनाओं में आई तेजी

केंद्र शासित प्रदेश की कुल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर क्षमता अभी 3540.15 मेगावाट

साल के अंत तक बढ़कर 5164.15 मेगावाट हो जाने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ जम्मू

सिंधु जल संधि के निलंबित होने से जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में, इस केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा साल के आखिर तक हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर की कुल क्षमता में कम से कम 46% की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया गया कि इस साल के अंत तक दो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स 1000 मेगावाट का पाकलदुल और 624 मेगावाट का किरू चालू हो जाएंगे। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर 78% काम पूरा हो चुका है। 12 मेगावाट के करनाह हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर भी जून के आखिर तक काम पूरा होने की उम्मीद है।

सिंधु नदी पर बना बांध

18000 मेगावाट तक पहुंच सकती है क्षमता

सरकार के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर की अनुमानित क्षमता लगभग 18000 मेगावाट है, जिसमें से लगभग 15000 मेगावाट की पहचान की जा चुकी है। इसमें से अब तक 3540.15 मेगावाट क्षमता का इस्तेमाल किया जा चुका है। क्षमता के इन अनुमानों में 13 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं जिनकी कुल क्षमता 1197.4 मेगावाट है।

18 परियोजनाओं पर काम जारी

6 केंद्रीय क्षेत्र के प्रोजेक्ट्स हैं जिनकी क्षमता 2250 मेगावाट है और 12 निजी क्षेत्र के प्रोजेक्ट्स हैं जिनकी कुल क्षमता 92.75 मेगवाट है। सरकार ने बताया कि सिंधु जल संधि के अब निलंबित होने के कारण, चल रहे प्रोजेक्ट्स का निर्माण कार्य तेज हो गया है।

2035 तक तीन गुना होगी क्षमता

जम्मू-कश्मीर 2035 तक अपनी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर क्षमता को तीन गुना करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले दस सालों के लिए एक रोडमैप तैयार कर लिया गया है और उसे लागू किया जा रहा है। आईपीपी (प्राइवेट) सेक्टर में अतिरिक्त 100–150 मेगावाट की उम्मीद है। 2035 तक लगभग 11,000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन

मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

लाइफस्टाइल

डॉ. मोनिका शर्मा

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने

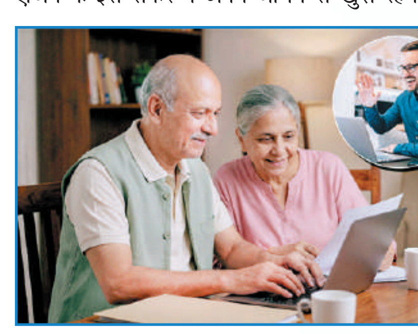

वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोच: बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकता: सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसास: असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से

अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

व्यंग्य / राजा चौरसिया

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते

हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मेरे लिखने की मेज

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तक: मेरे लिखने की मेज, **संपादक:** सूरज प्रकाश, **मूल्य:** 449 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया

स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)

पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

‘श्री बाबा नीब करौरी ...’ का पोस्टर जारी, रिलीज तारीख भी आई

मुंबई। भारतीय सिनेमा में पौराणिक कथाओं पर अब तक कई फिल्में बन चुकी हैं। आने वाले दिनों में रणबीर कपूर की ‘रामायण’ और ऋषभ शेट्टी की ‘जय हनुमान’ भी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इन्हीं परियोजनाओं के बीच फिल्म ‘श्री बाबा नीब करौरी महाराज’ को लेकर भी काफी चर्चा है जिसका पहला आधिकारिक पोस्टर अब जारी कर दिया गया है। फिल्म में मुख्य किरदार सुबोध भावे निभाएंगे जो मराठी सिनेमा के जाने-माने कलाकार हैं। इसका निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने किया है। अनीशा फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित, यह नीम करोली बाबा की बायोपिक है, जिसमें उनके जन्म से लेकर 1973 में महासमाधि तक की यात्रा दिखाई जाएगी।

लाइफ Style

सारा

‘धुरंधर 2’ के बाद हाथ लगी नई फिल्म

रणवीर सिंह की ‘धुरंधर’ फ्रैंचाइजी में नजर आईं अभिनेत्री सारा अर्जुन खूब चर्चा बटोर रही हैं। फिलहाल 19 मार्च को ‘धुरंधर 2’ सिनेमाघरों में रिलीज हुई है जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक रिपोर्ट में पता चला है कि ‘धुरंधर 2’ के बाद, सारा के हाथ एक नई परियोजना लगी है। इस खबर ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बताया जाता है कि इसमें उन्हें ईशान खट्टर के अपोजिट देखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर बेबी द्वारा समर्थित आगामी परियोजना में ईशान और सारा साथ काम कर रहे हैं।

हाल ही में, परियोजना की शूटिंग की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर लीक हो गईं जिसके बाद से परियोजना की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता जोया अख्तर ने इसी दौरान एक रहस्यमयी पोस्ट साझा किया। लोगों का मानना है कि यह पोस्ट इसी परियोजना से जुड़ा होगा। हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह कर रहे हैं जो पहले फिल्म ‘खो गए हम कहां’ बना चुके हैं। फिलहाल, परियोजना से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह फिल्म होगी, सीरीज होगी या कुछ और, यह भी फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। दोनों कलाकारों के काम पर नजर डालें, तो ईशान को आखिरी बार फिल्म ‘होमबाउंड’ में देखा गया था।

हॉलीवुड मसाला

हैरी पॉटर सीरीज का ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। ‘हैरी पॉटर’ सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि लगभग हर बच्चे के बचपन की यादगार साथी थी। एचबीओ इसी जादुई दुनिया को वेब सीरीज के माध्यम से वापस ला रहा है, जिसका ट्रेलर अब जारी हो चुका है। सीरीज मूल रूप से जे.के. रोलिंग की 7 किताबों पर आधारित है, जिसमें पूरी तरह से नए किरदारों को पेश किया गया है। इसके निर्देशन की कमान मार्क मायलोड ने संभाली है। सीरीज के नए ‘हैरी पॉटर’ के रूप में, डोमिनिक मैकलॉघलिन नजर आए हैं।

‘आईजॉम्बी’ की अभिनेत्री कैरी ऐन फ्लेमिंग का निधन

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन सीरीज ‘आईजॉम्बी’ और ‘सुपरनैचुरल’ जैसे शो से लोकप्रियता हासिल करने वालीं अभिनेत्री कैरी ऐन फ्लेमिंग का निधन हो गया है। उनके प्रतिनिधि के मुताबिक, 51 वर्षीय फ्लेमिंग ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ति थीं। 26 फरवरी को कनाडा के एक अस्पताल में अभिनेत्री को इस बीमारी के बारे में पता चला था। उनके निधन की खबर आने से हॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री के प्रति शोक संवेदना जाहिर कर रहे हैं। फ्लेमिंग के प्रतिनिधि ने उनके आखिरी पलों की जानकारी देते हुए कहा, अपने प्रियजनों की मौजूदगी में उन्होंने शांतिपूर्वक अपनी आखिरी सांस ली। कैरी को जानना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी। वह एक खूबसूरत आत्मा, प्रेरणादायक और सबसे बढ़कर दयालु थीं। उनकी बहुत याद आएगी। अभिनेत्री ने निधन पर उनके सह-कलाकारों ने भी दुख व्यक्त किया है।

नागबंधम की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

मुंबई। पैन-इंडिया पौराणिक ड्रामा फिल्म ‘नागबंधम’ लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। अभिनेता महेश बाबू ने ‘महाशिवरात्रि’ के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब ‘राम नवमी’ 2026 के खास मौके पर फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया गया है। ‘नागबंधम’ का निर्माण अभिषेक पिक्चर्स और निक स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है, जबकि लेखन और निर्देशन अभिषेक नामा द्वारा किया गया है। निर्माताओं ने ‘नागबंधम’ का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज तारीख जारी की है। यह 3 जुलाई, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन करने को उतरेगी। मुख्य अभिनेता विराट कर्ण हैं, जिन्होंने ‘महादेव’ का किरदार निभाया है।

सल्लू की फिल्म में अनिल की एंट्री

मुंबई। सलमान खान निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह उच्च स्तर की एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी जिसमें अभिनेता के साथ, नयनतारा की जोड़ी बनेगी। फिल्म का शीर्षक तया होना बाकी है। इन खबरों ने पहले से फैंस का उत्साह बढ़ाकर रखा है और अब एक नया अपडेट सामने आ गया है। बताया जाता है कि अभिनेता अनिल कपूर भी इस आगामी परियोजना का हिस्सा बन रहे हैं। खबर के मुताबिक, दिल राजू और पेडिपल्ली की आगामी फिल्म में पहले से 2 दमदार सितारे सलमान और नयनतारा मुख्य भूमिकाओं में हैं। अब इस परियोजना में अनिल की मौजूदगी भी शामिल हो गई है। वैसे तो निर्माताओं की ओर से अब तक किसी भी तरह की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

टीवी मसाला

मल्लिका की धमाकेदार वापसी ‘द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2’ में एंट्री

मुंबई। ‘द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2’ अब और भी ग्लैमरस होने वाला है। खबर है कि इस बार शो में बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी अपनी चालें चलती नजर आएंगी। जैसलमेर के रेतीले धोरों के बीच शुरू हुई इस शो की शूटिंग और मल्लिका की एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। मल्लिका पहले भी रियलिटी शोज में धमाल मचा चुकी हैं और अब एक बार फिर वो दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं।

शो में मल्लिका की मौजूदगी पक्की

‘द ट्रेटर्स इंडिया 2’ की शूटिंग जैसलमेर में शुरू हो गई है। वेराइटी के मुताबिक, मल्लिका शो से जुड़ गई हैं और शूटिंग का हिस्सा बन चुकी हैं। पिछले महीने से मीडिया में मल्लिका के शो में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब साफ हो गया है कि वो इस ‘धोखे और सस्पेंस’ से भरे गेम का हिस्सा होंगी। पिछले दिनों खबर आई थी कि शो के होस्ट करण जौहर शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच चुके हैं।

पिछली बार इस फिल्म में नजर आई थीं मल्लिका

लंबे समय से विदेश में रह रहीं मल्लिका एक बार फिर भारतीय स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार उन्हें साल 2024 में आई फिल्म ‘विक्की विद्या का वो वाला वीडियो’ में देखा गया था। मल्लिका, जिन्होंने फिल्म ‘मर्डर’ में अपने बोल्ड अवतार से रातों-रात शोहरत हासिल की थी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा नाम हैं। वो मशहूर पॉप आइकन ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो ‘वॉट अ मैन’ में भी नजर आ चुकी हैं। मल्लिका साल 2013 में अपने रियलिटी शो ‘द बैचलरेट इंडियाः मेरे खयालों की मल्लिका’ में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपना जीवनसाथी तलाशने की कोशिश की थी। वो ‘नच बलिये’ और ‘बिग बॉस’ जैसे शोज में भी बतौर मेहमान अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

‘मटका किंग’ रिलीज के बीच विजय वर्मा बड़ी तैयारी में, इस खास दिन करेंगे धमाका

मुंबई। विजय वर्मा ऐसे अभिनेता हैं जो लीक से हटकर हर बार कुछ नया करने में विश्वास रखते हैं। पिछली बार उन्हें मनीष मल्होत्रा की फिल्म ‘गुस्ताख इश्क’ में देखा गया, जिसमें उनके शायर वाले किरदार को खूब लोकप्रियता मिली थी। जल्द उन्हें फिल्म ‘मटका किंग’ में देखा जाएगा जो अप्रैल, 2026 में डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। हालिया अपडेट में पता चला है कि विजय एक और बड़ा धमाका करने वाले हैं जिसके लिए खास दिन चुना गया है।

जन्मदिन पर परियोजना का करेंगे ऐलान

बॉलीवुड सूत्र ने बताया, विजय की आगामी परियोजना के निर्माता उनके 40वें जन्मदिन आज 29 मार्च, 2026 पर सबसे बड़ी घोषणा करने के लिए तरह तैयार हैं। ‘गुस्ताख इश्क’ में प्रेमी के किरदार के बाद उनकी अगली भूमिका देखना रोमांचक होगा। इससे पहले, अभिनेता ने एक आगामी परियोजना को लेकर संकेत दिया था। उन्होंने फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर साझा करते हुए लिखा था इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हूं।’

निर्माताओं ने गुप्त रखी है परियोजना

रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल इस परियोजना से जुड़ी हर चीज को अभी गुप्त रखा जा रहा है। इसके अलावा यह वही परियोजना है जिसकी घोषणा विजय के जन्मदिन पर होगी इसके बारे में भी स्पष्टता नहीं है। ऐसे में आने वाला वक्त ही बताएगा कि अभिनेता अपने जन्मदन पर फैंस को क्या तोहफा देते हैं। फिलहाल विजय आगामी फिल्म ‘मटका किंग’ में व्यस्त चल रहे हैं, जिसकी कहानी 1960 के दशक के मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

नेहा ने कहा नहीं शामिल हो रही ‘द ट्रेटर्स इंडिया’ में

मुंबई। करण जौहर के रियलिटी शो ‘द ट्रेटर्स इंडिया’ का प्रीमियर 2025 में हुआ था जिसे खूब लोकप्रियता मिली। इस सफलता से खुश होकर निर्माताओं ने उसी वक्त दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया था जो इस साल अमेजन प्राइम वीडियो पर लौटेगा। शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसी के साथ आने वाले प्रतियोगियों के अनुमानित नाम भी लोगों का ध्यान खींचने लगे हैं। एक नाम नेहा धूपिया का चर्चा में है, जिसपर अब खुद अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है। नेहा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह ‘द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2’ का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ‘न तो मैं गद्दार’ हूं और न ही ‘निर्दोष’ मैं बस अपने काम पर व्यस्त हूं। इस पोस्ट से अभिनेत्री की किसी नई आगामी परियोजना को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। ‘द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2’ में नेहा के अलावा, बिपाशा बसु का

नाम भी चर्चा में था। टीओआई के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया है कि अभिनेत्री किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने साफ मना कर दिया है। हालांकि, प्रतियोगियों में शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, मुनव्वर फारूकी, पारुल गुलाटी और अभिषेक मल्हान के नामों की पुष्टि हो चुकी है।

आवारापन 2’ के बाद 10 अप्रैल को अक्षय कुमार की ‘भूत बंगला’ होगी रिलीज़

अप्रैल में दर्शकों के लिए आ रहीं डकैत से लेकर भूत बंगला जैसी कई फिल्में

मार्च का महीना धुरंधर 2 और टॉक्सिक जैसी बड़ी फिल्मों की वजह से खास बन गया है। मगर अप्रैल भी सूना नहीं रहेगा। अप्रैल के महीने में अक्षय कुमार से लेकर सलमान खान और राम चरण तक पर्दे पर वापस आने वाले हैं। इन दिग्गज सितारों की मोस्ट अवेटेड फिल्म अप्रैल में रिलीज़ हो रही हैं। चलिए आपको अप्रैल के फिल्मी कैलेंडर से रू-ब-रू करवा देते हैं। इसमें उन तमाम फिल्मों की जानकारी हम दे रहे हैं, जिनकी रिलीज की तारीख को मेकर्स ने खुद कंफर्म किया है।

इमरान हाशमी की आवारापन 2

अप्रैल महीने की शुरुआत दर्शकों के लिए बेहद खास होने वाली है। पूरा नोस्टैल्जिया फील जो मिलने वाला है। इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्मों में से एक ‘आवारापन’ का सीक्वल आ रहा है। पिछले साल मार्च में ही इमरान हाशमी ने एक पोस्ट के जरिए ऐलान कर दिया था कि ‘आवारापन’ का सीक्वल ‘आवारापन 2’ 3 अप्रैल 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। विशेष भट्ट फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसका निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं। 29 सितंबर 2025 को इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई थी।

अक्षय कुमार की भूत बंगला

‘आवारापन 2’ के बाद 10 अप्रैल को अक्षय कुमार की ‘भूत बंगला’ रिलीज़ होगी। इस फिल्म का निर्देशन कॉमेडी फिल्मों के बादशाह माने जाने वाले प्रियदर्शन कर रहे हैं। अक्षय के साथ साथ इस फिल्म में आपको वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, मिथिला पालकर और राजपाल यादव जैसे कलाकार अहम रोल में देखने मिलेंगे। दिवंगत एक्टर असरानी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

सलमान खान की ‘बैटल ऑफ गलवान’

अप्रैल में रिलीज़ होने वाली सबसे बड़ी फिल्म सलमान खान की ‘बैटल ऑफ गलवान’ है। इसका निर्देशन अपूर्वा लाखिया ने किया है और ये चीन और भारतीय सैनिकों की गलवान में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म का हिस्सा चित्रांगदा सिंह भी हैं। हालांकि पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है और इसे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज़ करने पर सोचा जा रहा है। हालांकि फिलहाल कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

डकैतः एक प्रेम कथा

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म ‘डकैतः एक प्रेम कथा’ भी 10 अप्रैल को ही रिलीज़ होगी। इस फिल्म की पहले दो बार रिलीज की तारीख बदली जा चुकी है। पहले ये 2025 में रिलीज़ होनी थी, पर अदिवि शेष को चोट लगने की वजह से इसे 19 मार्च 2026 के लिए खिसका दिया गया था। हालांकि बाद में ‘धुरंधर 2’ और ‘टॉक्सिक’ की टक्कर को देखते हुए मेकर्स ने रिलीज डेट आगे बढ़ाकर 10 अप्रैल कर दी है। फिल्म में प्रकाश राज और अनुराग कश्यप भी दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन शेनिल डेओ ने किया है और ये हिंदी और तेलुगू में आएगी।

‘गिन्नी वेड्स सनी 2’

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर स्टारर फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ 24 अप्रैल को रिलीज़ होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत झा ने किया है और लेखन भी उनका ही है। फिल्म का अभी कोई टीज़र या ट्रेलर नहीं आया है। 12 फरवरी को मेकर्स ने इसका फर्स्ट पोस्टर जारी किया था। हालांकि ये छोटे बजट की फिल्म है, ऐसे में ये कोई बड़ा कारनामा करेगी, ऐसी उम्मीद कम ही है।

राम चरण की ‘पेद्दी’

अप्रैल महीने का अंत एक बड़ी फिल्म के साथ होगा। इसका नाम ‘पेद्दी’ है। ये 30 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में ‘आरआरआर’ फेम राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। इसका हिस्सा बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर भी हैं। पेद्दी एक तेलुगू फिल्म है जो जो हिंदी समेत कई भाषाओं में देशभर में रिलीज़ होगी। बुची बाबू सना इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। साथ ही एआर रहमान जैसे दिग्गज ने फिल्म में संगीत दिया है।

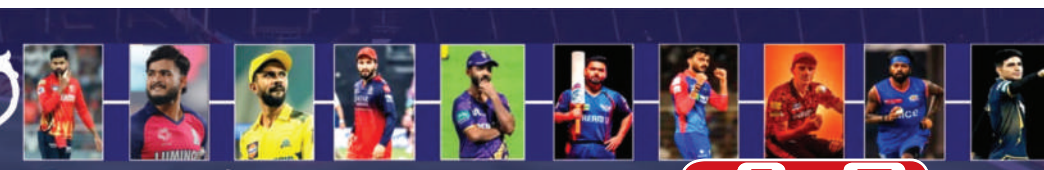

खबर संक्षेप

इंजरी के कारण दो हफ्ते नहीं खेल सकेंगे धोनी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यह जानकारी दी। सीएसके ने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।' धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं।

ह्यूस्टन ओपन : थीगाला का शानदार प्रदर्शन, 11वें स्थान पर पहुंचे

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहित थीगाला ने टेक्सास चिल्ड्रन्स ह्यूस्टन ओपन के दूसरे दौर में लगातार तीन अंडर 67 का कार्ड खेला, जिससे वह कुल छह अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर बने हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय मूल के एक अन्य खिलाड़ी सुदर्शन येल्लामराजू (69-66) संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर हैं। वहीं अमेरिकी ओपन के पूर्व चैंपियन गैरी वुडलैंड (64-63) ने बढ़त बना हासिल कर ली। पहले दिन शीर्ष पर चल रहे पॉल वारिंग एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर खिसक गए।

एमसीए संग्रहालय में स्मारक पट्टिका का अनावरण

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पॉली उमरीगर की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में बीसीसीआई और आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार ने एमसीए संग्रहालय में एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। यह पट्टिका उस दिग्गज बल्लेबाज के सम्मान में लगाई गई है, जिन्होंने 1948 से 1962 के बीच 59 टेस्ट मैच खेले और उनमें से आठ में भारत की कप्तानी की। उन्होंने एक क्रिकेटर और एक प्रशासक दोनों के रूप में खेल की सेवा की। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ' भारतीय क्रिकेट में पॉली उमरीगर का योगदान वास्तव में अमूल्य है और उनकी जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी विरासत का सम्मान करना हमारा सौभाग्य है।'

मोंटेकार्लो मास्टर्स नहीं खेलेंगे जोकोविच, नाम लिया वापस

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, ' हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।' इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे।

सनराइजर्स को 6 विकेट से हराया, ईशान किशन की पारी पर फिरा पानी

कोहली-पडिक्कल की तूफानी फिफ्टी, आरसीबी ने की धमाकेदार जीत से सीजन की शुरुआत

एजेंसी ▸▸| बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 6 विकेट से हराकर सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। आरसीबी की जीत में विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल के तूफानी अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एसआरएच से मिले 202 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने 15.4 ओवर में 4 विकेट पर 203 रन बनाकर हासिल कर लिया। आरसीबी के लिए विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल ने तूफानी अर्धशतक लगाया।

पड्डिकल ने 26 गेंदों में खेली 61 रन की पारी

इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पड्डिकल ने मात्र 26 गेंदों पर 4 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली और विराट के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 101 रन की अहम साझेदारी की। विराट 38 गेंदों पर 5 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान रजत पाटीदार ने 12 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। साल्ट 8 रन बनाकर आउट हुए। जितेश शर्मा शून्य पर आउट हुए। टिम डेविड 10 गेंद पर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

एसआरएच की शुरुआत रही खराब

इससे पहले एसआरएच ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे। एसआरएच की शुरुआत खराब रही थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 और ट्रेविस हेड 11 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर आए नितीश रेड्डी भी 1 रन बना सके। 29 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी एसआरएच को कप्तान ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। क्लासेन 22 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 31 रन बनाए। ईशान किशन 38 गेंदों पर 5 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 80 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इन दोनों के अलावा सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अनिकेत वर्मा ने 18 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्के की मदद से 43 रन की पारी खेली। अनिकेत की पारी की वजह से ही एसआरएच 200 के पार पहुंच सकी। आरसीबी के लिए जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड ने 3-3, जबकि भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और सुयश शर्मा ने 1-1 विकेट लिए थे।

ईशान ने 27 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

ईशान किशन ने अपना अर्धशतक सिर्फ 27 गेंदों पर चौके के साथ पूरा किया और वो इस सीजन में अर्धशतक लगाने वाले पहले बैटर भी बने। इशान ने काफी आसानी से टीम के लिए रन जुटाए। किशन ने इस मैच में 38 गेंदों पर 80 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 छक्के और 8 चौके भी लगाए।

बतौर कप्तान बनाया बड़ा रिकॉर्ड

ईशान किशन हैदराबाद के लिए बतौर कप्तान डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बैटर बन गए है। हैदराबाद के लिए बतौर कप्तान डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड मनीष पांडे के नाम पर दर्ज था, जिन्होंने साल 2021 में मुंबई के खिलाफ 41 गेंदों पर नाबाद 69 रन की पारी खेली थी, लेकिन किशन अब 80 रन बनाकर उनसे आगे निकल गए।

किशन ने तोड़ा राहुल का रिकॉर्ड

ईशान किशन ने आरसीबी के खिलाफ अपनी पारी के दौरान आईपीएल में 3000 रन भी पूरे कर लिए। यही नहीं ईशान आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर पहुंच गए और केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ने में भी सफल रहे। ईशान ने आईपीएल में 3000 रन 2180 गेंदों पर पूरे किए जबकि केएल राहुल ने ये कमाल 2203 गेंदों पर किया था। राहुल 7वें नंबर पर खिसक गए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
ट्रेविस हेड का साल्ट बो डफी	11	9	2	0
अभिषेक शर्मा का शर्मा बो डफी	7	8	0	1
ईशान का साल्ट बो अभिनंदन	80	38	8	5
रेड्डी का अभिनंदन बो डफी	1	6	0	0
क्लासेन का साल्ट बो शेफर्ड	31	22	2	1
अरोड़ा का पडिक्कल बो सुयश	9	6	0	1
अनिकेत वर्मा का कोहली बो शेफर्ड	43	18	3	4
हर्ष दुबे का पडिक्कल बो शेफर्ड	3	3	0	0
हर्षल पटेल का पडिक्कल बो कुमार	0	2	0	0
डेविड पेन नाबाद	6	5	0	0
जयदेव उनादकट नाबाद	4	3	0	0

अतिरिक्त : 6 रन, योग : 20 ओवर में 201/9 रन
गेंदबाजी : डफी 4-0-22-3, भुवनेश्वर 4-0-31-1, अभिनंदन 3-0-38-1, शेफर्ड 4-0-54-3, सुयश 3-0-28-1, कृणाल 2-0-26-0

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
फिल साल्ट का क्लासेन बो उनादकट	8	7	2	0
विराट कोहली नाबाद	69	38	5	5
पडिक्कल का क्लासेन बो दुबे	61	26	7	4
रजत पाटीदार का दुबे बो पेन	31	12	2	3
जितेश शर्मा का उनादकट बो पेन	0	1	0	0
टिम डेविड नाबाद	16	10	1	1

अतिरिक्त : 18 रन, योग : 15.4 ओवर में 203/4 रन
गेंदबाजी : रेड्डी 2-0-19-0, उनादकट 3-0-29-1, पेन 3-0-35-2, दुबे 3-0-35-1, मलिंगा 2-0-35-0, पटेल 2.4-0-39-0

फुटबॉल

स्पेन ने सर्बिया को हराया ओयार्जाबेल ने दागे 2 गोल

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपने आखिरी तैयारी मुकाबलों में से एक में सर्बिया को 3-0 से मात दी। मिकेल ओयार्जाबेल जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। उनके अलावा, विक्टर मुनोज ने एक गोल का योगदान दिया। ओयार्जाबेल का पहला गोल 16वें मिनट में आया। यह टीम के शानदार तालमेल के बाद गोल के सामने से लगाया गया एक शॉट था। वहीं, उनका दूसरा गोल हाफ-टाइम से ठीक पहले आया।

यह काफी दूर से लगाया गया एक जोरदार शॉट था, जिसने सर्बिया के गोलकीपर वान्या मिलिंकोविक-साविक को बचाव का कोई मौका ही नहीं दिया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी उनाई साइमन को ही सौंपी, जबकि एफसी बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया था, स्टैंड्स में बैठे रहे। रोड्री ने सेंट्रल मिडफील्ड में मार्टिन जुबिमेंडी से आगे शुरुआत की, जबकि सेंट्रल डिफेंस में आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबारसी थे। राइट-बैक पर मार्कोस लोरेंटे और स्पेन के अटैक के दाईं ओर लामिन यामल खेले।

लामिन यामल ने ओयारजाबाल के शुरुआती गोल के कुछ मिनट बाद ही क्रॉसबार पर शॉट मारा, क्योंकि स्पेन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान विक्टर मुनोज ने दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरकर अपना डेब्यू किया।

विक्टर मुनोज को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल करने में ज्यादा समय नहीं लगा और उन्होंने 72वें मिनट में फेरान टोरेस के बैक-हील असिस्ट पर शानदार फिनिश करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया।

सिनर की फाइनल में एंट्री, 'सनशाइन डबल' के खिताब से बस एक कदम दूर!

एजेंसी ▸▸| मियामी गार्डन्स

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव पर 6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

मियामी ओपन : ज़्वेरेव को हराया, अब मुकाबला लेहेका से

अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य : सिनर

सिनर ने कहा, 'यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं।'

यानिक ने फोरहैंड विनर के साथ हासिल किया ब्रेक

सिनर को शुरुआती सेट के तीसरे गेम में एक 'ब्रेक प्वाइंट' बचाना पड़ा था, लेकिन उसने तुरंत जवाब दिया, अपनी आक्रामकता बढ़ाई और ज्वेरेव की पहली-सर्व की प्रभावशीलता में आई थोड़ी सी कमी का फायदा उठाते हुए, एक जोरदार फोरहैंड विनर के साथ एक ब्रेक हासिल किया और 3-1 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में, ज्वेरेव ने अपनी तीव्रता बढ़ाई और अहम पलों पर मजबूती से डटे रहे, खासकर तब जब उन्होंने 4-4, 15/40 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट्स को बचाया। फिर भी सिनर शांत रहे, लगातार अपनी सर्व बचाते रहे, और मैच को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां, मैच का रुख सिनर के पक्ष में तब मुड़ा जब ज्वेरेव ने एक ओवरहेड शॉट को ठीक से नहीं मारा, जिसके बाद सिनर ने 5/4 की बढ़त बना ली, और अंततः इस इतालवी खिलाड़ी को बढ़त मिल गई।

तेजस्विन ने की डेकाथलॉन सत्र में जीत से शुरुआत

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के टेक्सास में डेविड नोबल रिले 2026 एथलेटिक्स मीट में हवा की मदद से 7947 अंक का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाकर अपने डेकाथलॉन सत्र की शुरुआत जीत से की। शंकर हालांकि 8000 अंक से 53 अंक पीछे रह गए।

टेक्सास में शंकर का प्रदर्शन उनके ही नाम दर्ज राष्ट्रीय रिकॉर्ड (7826 अंक) से बेहतर था, जो उन्होंने पिछले साल पोलैंड में बनाया था। लेकिन अत्यधिक अनुकूल हवा (टेल विंड) के कारण विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार यह प्रदर्शन नए रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं किया गया। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के मुताबिक डेकाथलॉन में रिकॉर्ड तभी मान्य होता है जब 100 मीटर, लंबी कूद और 110 मीटर बाधा दौड़ में औसत हवा की मदद +2.0 मीटर प्रति सेकंड से अधिक नहीं हो। टेक्सास मीट में 100 मीटर (+4.7 मीटर प्रति सेकंड) और लंबी कूद (+4.5 मीटर प्रति सेकंड) में हवा की गति निर्धारित सीमा से काफी अधिक थी।

आंध्र प्रदेश महिला टीम बनी बधिरों की टी10 नेशनल चैंपियन

डी. कंथम्मा बनीं प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज

एजेंसी ▸▸| गुरुग्राम

आंध्र प्रदेश की महिला टीम ने दिल्ली की टीम को एक रोमांचक मुकाबले में पांच रन से हराकर बधिरों की सातवीं आईडीसीए महिला टी10 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता।

आंध्र प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 73 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली की टीम चार विकेट पर 68 रन ही बना पाई। आंध्र प्रदेश की डी. कंथम्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार हासिल किए।

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का समर्थन प्राप्त है। यही नहीं वह अंतरराष्ट्रीय बधिर क्रिकेट परिषद और एशियाई बधिर क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त है। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से वर्षों से लगातार होनहार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

रविवार से साइप्रस में शुरू होगा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

ओपन वर्ग में प्रज्ञानानंदा के सामने कड़ी चुनौती

एजेंसी ▸▸| पाफोस

आठ खिलाड़ियों की एलीट प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा को रविवार से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना करेगा। इस टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि 10 लाख डॉलर

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 9 करोड़ 49 लाख रुपए) है, जिसमें से सात लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग छह करोड़ 65 लाख रुपए) ओपन वर्ग के लिए और तीन लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग दो करोड़ 85 लाख रुपए) महिला वर्ग के लिए हैं।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर कारुआना प्रबल दावेदार

हाल के प्रदर्शन को देखते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना प्रबल दावेदार नजर आते हैं लेकिन उनके हमवतन हिकारु नाकामुरा का दावा भी मजबूत है, जिन्होंने अपनी रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी भी अच्छी फॉर्म में हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। अगर उनकी लय कायम रहती है, तो वह मजबूत दावेदार साबित होंगे।

दिव्या पर होंगी सबकी निगाहें

भारतीय खिलाड़ियों में सबकी निगाहें दिव्या देशमुख पर होंगी, जिन्होंने 2025 में महिला विश्व कप जीता था। आर वैशाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह साहसिक फैसले करने के लिए जानी जाती हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य जीत हासिल करना होता है। ऐसे में उनकी दावेदारी को कम करके नहीं आंका जा सकता है। झू जिनर भी एक ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी कड़ी चुनौती देने के लिए ।

बांग्लादेश में देख सकेंगे आईपीएल, हटाया बैन

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्रसारण के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सीजन के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। हम इसे एक व्यावसायिक

नजरिए से देखेंगे। अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने बताया था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाए जाने के बाद इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे।

'युवा अनुनाद 2026' में नजर आया भावनाओं और यथार्थ का संगम

जीवन के कई रंगों को दिखाती 'पूरे चांद की रात' तो भावुकता से परिपूर्ण रही 'शहजादा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रंग श्री लिटिल बैले में रंग माध्यम नाट्य संस्था द्वारा आयोजित 'युवा अनुनाद 2026' के अंतर्गत, दिनेश नायर के मार्गदर्शन में प्रसिद्ध साहित्यकार कृष्ण चंदर की दो चर्चित कहानियों 'पूरे चांद की रात' और 'शहजादा' का प्रभावशाली मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को प्रेम, स्मृति, समय और सामाजिक यथार्थ के विविध आयामों से रूबरू कराया। जहां 'पूरे चांद की रात' में निर्देशन आयुषी गारवे का रहा तो वहीं 'शहजादा' में अनुराग मिश्रा ने बखूबी निर्देशन कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

रंग श्री लिटिल बैले में आयोजित हुआ नाटक

रंग श्री लिटिल बैले में नाटक की प्रस्तुति देते कलाकार।

अधूरे प्रेम की पीड़ा से जूझती सुधा की कहानी 'शहजादा'

वहीं 'शहजादा' कहानी ने समाज की कठोर सच्चाइयों को उजागर किया। सुधा नाम की एक साधारण लड़की की जिदगी के संघर्षों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। पारिवारिक दबाव, समाज के ताने और अधूरे प्रेम की पीड़ा से जूझती सुधा का किरदार दर्शकों को भीतर तक झकझोर देता है। नंदिनी मिश्रा ने सुधा की भूमिका को बखूबी निभाया, जबकि रिषभ झा ने मोती के किरदार में सहज अभिनय किया। पिता की आवाज के रूप में अमन वर्मा का योगदान भी सराहनीय रहा। दोनों नाटकों ने मिलकर दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के साथ-साथ सोचने पर मजबूर किया।

कश्मीर की पृष्ठभूमि रची बसी 'पूरे चांद की रात'

'पूरे चांद की रात' में एक युवक और उसकी प्रेमिका की मार्मिक प्रेम कहानी को बेहद संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया। कश्मीर की पृष्ठभूमि में रची गई यह कथा प्रतीक्षा, मिलन और बिछड़न के भावों को गहराई से उकेरती है। पूरी चांदनी रात में प्रेमिका का इंतजार, फिर मिलन और साथ भाग जाने का निर्णय- ये सभी दृश्य दर्शकों को भावुक कर देते हैं। कहानी में समय का लंबा अंतराल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जब वर्षों बाद दोनों का पुनर्मिलन होता है। यह कथा अंततः जीवन के अनवरत प्रवाह और उम्मीद के संदेश को सामने लाती है।

रवींद्र भवन में सदाबहार नगमों पर झूमे श्रोता

'गीत गुंजन' की संगीतमय शाम में डॉक्टर्स-इंजीनियर्स ने छेड़े सुरीले सुर

रवीन्द्र भवन में शनिवार को आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'गीत गुंजन' में उपस्थित संगीत गुरु कैलाश यादव व गायक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविन्द्र भवन में शनिवार की शाम गुंजन फाउंडेशन द्वारा आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'गीत गुंजन' ने शहरवासियों को पुराने सदाबहार गीतों की मधुर दुनिया में पहुंचा दिया। सारा जमाना हसीनों का दीवाना... जैसे लोकप्रिय गीतों की गूंज के बीच पूरी शाम संगीत और सुरों से सराबोर रही।

इस विशेष आयोजन में भोपाल के डॉक्टर्स, इंजीनियर, बिजनेसमैन और सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपनी शानदार गायकी से माहौल को यादगार बना दिया। सभी प्रतिभागी कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एवं गुंजन फाउंडेशन के सचिव, सूफी गायक कैलाश यादव के शिष्य हैं। कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाना, भजन गायक रवि खरे, आचार्य राजेश और कोमल साईं कृति विशेष रूप से उपस्थित ने गायकों को प्रोत्साहित किया।

डॉ. संजय कुमार और नीतू कुमार गीतों की प्रस्तुति देते हुए।

अरुणा सहानी और रंजीव सहानी के मनमोहक गीतों ने लोगों को लुभाया।

ठंडी हवा काली घटा...

संगीत संध्या में डायमंड ज्वेलरी निर्माता मयंक सत्संगी ने सारा जमाना हसीनों का दीवाना.... गाकर समां बांध दिया, वहीं दिनेश ताम्रकार ने हाल क्या है दिलों का न पूछो सनम.... से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चीफ इंजीनियर अश्वनी कुमार उपमन्यु ने लाखों हैं निगाह में जिंदगी की राह में.... प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। वहीं अर्चना लखोटिया ने गीता दत्त का प्रसिद्ध गीत ठंडी हवा काली घटा.... सुनाया, जबकि रचना साहू ने लता मंगेशकर के गीत बाहों में चले आ.... को सुरों में पिरोया। सीए रोशन मूंदड़ा ने लिखे जो खत तुझे... गाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। रीटा देराश्री का ये मेरा दिल प्यार का दीवाना.... भी खासा सराहा गया।

संजय बघेल

कैलाश मकवाणा, डीजीपी

अश्वनी कुमार उपमन्यु

इन्होंने बनाया शाम को यादगार

मधु तिवारी द्वारा प्रस्तुत मेडले ने भी दर्शकों को खूब आनंदित किया। इसके अलावा डॉ. संजय कुमार, लता सागर, प्रभाकांत कटारे, अनुराग सेठ, दीपक असाई, नीलम शुक्ला, रेनू मोरंदानी, डॉ. शैलेंद्र तिवारी, रजनीश शिंदे, उज्ज्वल कटारे, हर्षा दवे, योगिता बाजपेई और माया सहित कई अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से शाम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि संगीत के प्रति प्रेम किसी एक पेशे तक सीमित नहीं होता, बल्कि हर दिल में बसता है।

समाज में व्याप्त शोषण, जुल्म की कहानी कहता 'हसीना मान जाएगी' का मंचन

'हसीना मान जाएगी' के मंचन के साथ हुआ उर्दू ड्रामा फेस्टिवल का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'उर्दू ड्रामा फेस्टिवल' का समापन रंगशीर्ष संस्था की प्रस्तुति 'हसीना मान जाएगी' के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। संजय मेहता द्वारा निर्देशित इस नाटक ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त शोषण, जुल्म और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों को बेहद संवेदनशीलता से मंच पर प्रस्तुत किया।

नाटक का मंचन करते कलाकार।

कथासार

फ्रांसीसी नाटककार पियर द बोमर्शिये के मूल लेखन पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण जे.एन. कौशल द्वारा किया गया। प्रस्तुति में चुटीले संवादों और जीवंत अभिनय ने दर्शकों को न केवल गुदगुदाया, बल्कि उन्हें सामाजिक विसंगतियों पर सोचने के लिए भी प्रेरित किया। नाटक ने यह संदेश प्रभावी ढंग से दिया कि किसी भी प्रकार का दमन और अन्याय अंततः समाप्त होता है तथा प्रेम और स्वतंत्रता की भावना ही विजयी होती है।

सच्चे प्रेम के साथ स्वतंत्रता के भाव के होती विजय

यह नाटक केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के लोगों के बीच मौजूद कुरीतियों पर तीखा प्रहार करता है। नाटक में हास्य और चुटीले संवादों के माध्यम से दर्शकों को गुदगुदाते हुए यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार का दमन और बंधन अंततः टूटता है, और सच्चा प्रेम व स्वतंत्रता की भावना ही विजय प्राप्त करती है।

हिंदी भवन की महिला प्रकोष्ठ ने किया स्वागत नवसंवत्सर

भोपाल। मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के महिला शक्ति प्रकोष्ठ द्वारा शनिवार को हिंदी भवन में स्वागत नवसंवत्सर कार्यक्रम आयोजित किया गया। डाली शर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम की अध्यक्षता रघुनंदन शर्मा ने की। कार्यक्रम में महिलाओं ने विभिन्न प्रांतों में प्रचलित भारतीय नव वर्ष मनाने की परंपराओं को केंद्र में रखकर प्रस्तुतियां दी।

पूस की रात के मार्मिक मंचन से बयार सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज

भोपाल। बयार सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा तीन दिवसीय 'बयार सांस्कृतिक महोत्सव-2' का शुभारंभ शनिवार को कारवां बॉक्स थियेटर, प्रोफेसर्स कॉलोनी में हुआ। महोत्सव की पहली शाम रंग संस्था कारवां के बैनर तले मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानी 'पूस की रात' पर आधारित एकल नाटक का मंचन किया। वरिष्ठ रंगकर्मी मोहम्मद नजीर कुरैशी के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक में भीमराव राऊत ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को भावुक कर दिया। लगभग 45 मिनट की इस प्रस्तुति में उन्होंने एक किसान के संघर्ष, पीड़ा और मजबूरी को बेहद जीवंत रूप में मंच पर उतारा।

प्रोत्साहन मंच में राग मालकौंस और ताल बसंत पर दी कथक की प्रस्तुति

मंजरी हॉल में नजर आया सुर, ताल और लय का अनूठा संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंजरी हॉल में आयोजित तीन दिवसीय प्रोत्साहन मंच के पहले दिन संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी और म्यूजिक एंड डांस टीचर्स फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सितार वादन से हुई, जिसमें उर्वी कुलकर्णी ने राग मालकौंस की आध्यात्मिक प्रस्तुति देकर श्रोताओं को सुरों की गहराई का अहसास कराया। उन्होंने अलाप, जोड़ और झाला के माध्यम से राग की विस्तारपूर्ण प्रस्तुति दी और अंत में तीनताल की द्रुत लय में गत प्रस्तुत कर समापन किया।

ताल बसंत पर आधारित कथक प्रस्तुति रही खास

इसके बाद 'घुंघरु' सत्र का आरंभ कथक गुरु क्षमा मालवीय की शिष्याओं अवनि सिंह और वंशिका टेकाड़े के युगल नृत्य से हुआ। दोनों ने देवी वंदना प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। इसी क्रम में प्रेक्षा नेमा ने 9 मात्राओं के ताल बसंत पर आधारित कथक प्रस्तुति दी। उनके नृत्य में गणेश वंदना, आमद, परन, सादा तोड़े, प्रमिलू, अभिसारिका नायिका के कवित्व और तत्कार के पलटे का सुंदर समावेश देखने को मिला।

तुलसी साहित्य अकादमी की सृजन श्रृंखला- 56 का किया आयोजन

भोपाल। तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रृंखला - 56 के अंतर्गत नई कविता पर साहित्यिक विमर्श तथा कविता पाठ का आयोजन किया गया। डॉ. मोहन तिवारी आनंद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नई कविता के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों की उपादेयता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे विमर्श रचनाकारों के रचना कौशल को निखारने की कार्यशालाएं होते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश तिवारी, सारस्वत अतिथि सुरेश पटवा एवं विशिष्ट अतिथि कर्नल गिरिजेश सक्सेना और वीके श्रीवास्तव रहे।

विहान ड्रामा वर्क्स ने किया 'जल तर्पण' का प्रभावशाली मंचन

समुदाय, सतर्कता तथा साझा जिम्मेदारी के महत्व को उजागर करता 'जल तर्पण'

जीवन, जल और मनुष्य के गहरे संबंधों को संवेदनात्मक और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विहान ड्रामा वर्क्स द्वारा प्रस्तुत नाटक 'जल तर्पण' का शनिवार को हथाईखेड़ा अनुसंधान केंद्र परिसर में प्रभावशाली और यादगार मंचन किया गया। दोपहर में आयोजित इस विशेष प्रस्तुति में सभागार विद्वान, प्रबुद्ध जनों और बड़ी संख्या में उपस्थित युवा दर्शकों से खचाखच भरा रहा। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों की निरंतर प्रतिक्रिया और अंत में गूंजती तालियों ने आयोजन को एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव में बदल दिया। नाटक में जीवन, जल और मनुष्य के गहरे संबंधों को संवेदनात्मक और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कथासार

नाटक की कहानी गांव के लोगों के दैनिक जीवन, उनके हास्य, उलझनों और समझदारी के बीच आगे बढ़ती है और अंततः समुदाय, सतर्कता तथा साझा जिम्मेदारी के महत्व को उजागर करती है। प्रस्तुति में संवाद, गीत और सामूहिक दृश्य विन्यास ने इसे प्रभावी नाट्य अनुभव बनाया, जिसे दर्शकों ने पूरे मन से सराहा। नाटक की परिकल्पना एवं निर्देशन सौरभ अनंत ने की, जबकि सहायक निर्देशन अंकित पारोचे का रहा। गीत एवं संगीत अंकित पारोचे और हेमंत देवलेकर द्वारा तैयार किया गया, जिसने प्रस्तुति में विशेष ऊर्जा और लय जोड़ी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930